bible educational services

शिक्षक केलिए दिशा-निर्देश

बाइबल टाइम लेवल 1 & 2

A सीरीज़

पाठ 1-6

BES INDIA
bible educational services
P.O Box - 9, MOOKANNUR P.O., 683577, Ernakulam, KERALA
E-mail : besindia1@gmail.com, www.besweb.com

शिक्षक केलिए दिशा- निर्देश।

यह दिशा-निर्देश उन शिक्षकों केलिए प्रकाशित किए है जो बाइबल टाइम सिखाते है। इस पुस्तिका को लेवल 1और 2 लगभग 5-10 के आयु के बच्छो को पठाने में इस्तमाल कर सकते है।

हर एक टिचिन्ग गाइड में वही बाइबल पद का अनुकरण किया है जो बाइबल टाइम पाठ में दिए गए है। बाइबल टाइम पाठ और गाइडलाइन्स साप्ताहिक आधार पर उपयोग करने केलिए बनाया गया है। आप्रैल के पाठ क्रिस्मस से सम्बन्धित है।

कई क्षेत्रों में A4 पाठ और दूसरे क्षेत्रों में A5 पुस्तिका को जिसमे 24 पाठ शामिल है असका उपयोग करते है। आम तौर पर शिक्षक A4 मासिक पाठ का वितरण करेंगे ओर एक हफ्तें में एक पाठ को विध्यालय, गिरिजाघर, या अपने घर ले जाकर पूरा करके वापस लौटाना चाहिए। हर महीने के अन्त में शिक्षक पाठ को इकट्ठा करके जाँचने के बाद जल्द ही लौटाना चाहिए।

आदर्शरूप में पुस्तिका इस्तमाल करते वक्त सत्र के अन्त में जाँच करने केलिए इकट्ठा करते है। हम समझ सकते है कि कई परिस्थितियों में यह असम्भव है। ऐसे स्थिति में पुस्तिका को कक्षा के दुसरे बच्चों में वितरण करके उन से जाँच करवाया जा सकता है। पुस्तिका के पीछे हर महीने का अन्क लिखने और बच्चों की प्रगति के बारे में टिप्पणी लिखने का स्थान दिए गए है। एक प्रमाण पत्र भी है जिसे अलग करके छः महीनों में प्राप्त किए कुल अन्क लिखकर बच्चों को देने है।

शिक्षक केलिए तैयारी

हम आदेशात्मक नही होने चाहते जिसकी वजह से शिक्षक को अपने विचारों और तरीको से सिखाने का अवसर न मिले। यह बाइबल टाइम सिखाने केलिए सिर्फ एक सूझाव है।

- **कहानी से सुपरिचित होना** - शिक्षकों को बाइबल कहानियों और उससे जुडे बाइबल टाइम पाठ से अच्छी तरह से सुपरिचित होना चाहिए। शिक्षक को पहले पाठ पूरा करना चाहिए। हर एक पाठ की दिशा-निर्देशों को ध्यान से पढकर नियोजन सहायता के रूप में भी इस्ततमाल करना चाहिए।

- **विषय को समझना** -हर एक पाठ के आरम्भ में अपने यह वाक्य देखा होगा - "हम सीख रहे हे कि" उसके बाद सीखने के दो उदेश्य भी दिए गए है जो हमे उम्मीद है कि शिक्षक के प्रस्तुति और बच्चे बाइलब टाइम को पूरा करने पर उन्हे समझ आएंगे। सीखने का पहला उदेश्य है विषय के बारे में ज्ञान प्राप्त करना और दूसरा उदेश्य है बच्चे को इस ज्ञान के बारे में सोचने, प्रयोग करके अनुक्रिया देने केलिए प्रोत्साहन देना। यह निर्देशन पाठ में दिए गए मुख्य विषय सत्य का सूक्षम वक्तत्य है। इसे शिक्षक अपने पढाने और सीखने के अपने व्यक्तिगत मूल्यान्कन केलिए उपयोग कर सकते है।

- **परिचय कराना** - हर पाठ के आरम्भ में उन परिस्थितियों में बच्चों के अपने अनुभव के बारे में पूछकर शुरु करना चाहिए। बच्चों को पाठ का परिचय कराने केलिए कई तरीको का सुझाव दिए गए है। जिसके सहायता से कहानी की प्रारम्भ के बारे में बच्चे सम्वातात्मक चर्च कर सकेंगे।

- **पढाना**- कहानी की मुख्य सारांश हमने दिए है। हम यह नही चाहते की पढाते वक्त शिक्षक इसे देखे। हम चाहते है की शिक्षक इस पाठ से इतना परिचित हो ताकि मनेरन्जक और प्रेरणापद तरीके से बच्चों को वह सीखा पाऐंगे। शिक्षक यह चाहेंगे की बच्चे कहानी की मुख्य पाठ को समझे और उस कहानी को सीखने के बाद अनुक्रिया दे। कई प्रधान व्यख्यों को हम तिरछे अक्षरों में लिखे है।

- **सीखना** -हर एक कहानी में एक मुख्य पद दिए गए है। कई जगह दो पद दिए है। हम चाहते है की बच्चों को अक्सर मुख्य पद याद दिलाते रहे ताकि उन्हे बाइबल पदों के बारे में ज्ञान प्राप्त हो।

- **पूरा करे** - एक विध्यालय कि माहोल में बच्चो की सामर्थ्य और शिक्षक की तरह से दिए जाने वाले मदद के बारे में हमे पता होता है। कई बच्चों केलिए ज़रूरी है की शिक्षक उन्हे पाठ पढ के सुनाए। अन्य बच्चों स्वयं पढ सकते है। दोनों हाल में यह अच्छा होगा अगर बच्चों का ध्यान हम सवालों से सम्भन्धित निर्देशों के और खीच सके। अगर आप स्कूल से बाहर बाइबल टाइम सीखा रहे हो तो यह बहुत ज़रूरी है कि आप मदद केलिए मौजूद हो ताकि बच्चों को यह न लगे की यह एक बहुत ही मुश्किल काम या परीक्षा है। पढाते वक्त उसे मज़ेदार बनाना प्रोत्साहित करना और तारीफ करना अनिवार्य है।

- **याद करना**- पाठ को दोहराते वक्त पहेली या अभिनय द्वारा उसे मनोरंज़क बनाए ताकि बच्चों को वह हमेशा याद रहे।

- **प्रदर्शित करना**-हो सके तो चाक्षुष सहायक सामग्री का उपयोग करे ताकि बच्चों पाठ को अच्छी तरह से समझ सके। बेबसाइट में (www. freebibleimages.org & info@eikonbibleart.com) से यह सामग्री मिल सकते है।

1. मुख्य पद को सिखाना

पद को कागज़ या बोर्ड में लिखे और जैसे बच्चे उसे दोहरराते है पद से एक-एक पद करके निकाले ताकि अन्त में पूरा पद को निकाल दिया जाए और बच्चे उन्हे बिना देखे दोहराए।

2. मुख्य पद को परिचय कराने केलिए

A. बच्चों को दो झुण्ड में डालेः एक झुण्ड को कई अक्षर लिखे हुए परचियाँ दे और दुसरे झुण्ड को खाली परचे। बच्चे आपस में मिलकर उसे पूरा करे और सीखे।

B. सबसे पहले जो बच्चा बाइबल में यह पद ढूँढे वह जोर से उसे पढे।

समय योजना

क्रमः हर पाठ केलिए हम एक ही क्रम दिए है। लेकिन शिक्षक चाहे तो इच्छा अनुसार बदल सकते है।

1. प्रस्तुतीकरण और कहानी को सुनाना - लगभग 15 मिनट
2. मुख्य पद को पढाना - 5-10 मिनट
3. कार्य-पत्र को पूरा करना - 20 मिनट
4. सवाल-जवाब और दूसरे क्रियाकलाप - 5-10 मिनट

हमेशा यह कहावत याद रकनाः

“मुझे सुनाईए, मैं भूल सकता हूँ,
’मुझे दिखाईए, मैं याद रखूँगा,
मुझे शामिल करे, मैं सीख लूँगा।”

बाइबल टाइम पाठ्यक्रम

	लेवल 0 (प्री स्कूल) लेवल 1 (उम्र 5-7) लेवल 2 (उम्र 8-10)	लेवल 3 (उम्र 11-13)	लेवल 4 (उम्र 14+)
स्टार्टर सीरीज़	1. पहला पाठ - परिचय 2. U 1 लूका का सुसमाचार 3. U 2 लूका का सुसमाचार 4. U 3 लूका का सुसमाचार	1. पहला पाठ - परिचय 2. U 1 लूका का सुसमाचार 3. U 2 लूका का सुसमाचार 4. U 3 लूका का सुसमाचार	1. पहला पाठ - परिचय 2. U 1 लूका का सुसमाचार 3. U 2 लूका का सुसमाचार 4. U 3 लूका का सुसमाचार
सीरीज़ A	1. सृष्टी 2. नूह 3. पतरस 4. पतरस- क्रूस 5. अब्राहम 6. अब्राहम 7. पतरस 8. पतरस 9. याकूब 10. प्रथम ईसाई 11. पौलूस 12. क्रिसमस की कहानी	1. सृष्टी 2. नूह 3. पतरस 4. पतरस- क्रूस 5. पतरस 6. अब्राहम 7. याकूब 8. प्रार्थना 9. पौलूस 10. पौलूस 11. पौलूस 12. क्रिसमस की कहानी	1. सृष्टी और पाप 2. उत्पत्ति 3. पतरस 4. पतरस- क्रूस 5. पतरस 6. अब्राहम 7. याकूब 8. मसीही जीवन 9. पौलूस 10. पौलूस 11. पौलूस 12. क्रिसमस की कहानी
सीरीज़ B	1. मसीह का प्रारम्भीक जीवनकाल 2. अलौकिक कर्म 3. बैतनिय्याह 4. क्रूस 5. दृष्टान्त 6. यूसुफ 7. यूसुफ 8. यीशु ने मिले लोग 9. मूसा 10. मूसा 11. मूसा 12. क्रिसमस की कहानी	1. दृष्टान्त 2. अलौकिक कर्म 3. बैतनिय्याह 4. क्रूस 5. प्रथम ईसाई 6. यूसुफ 7. यूसुफ 8. सुसमाचार के लेखक 9. मूसा 10. मूसा 11. मूसा 12. क्रिसमस की कहानी	1. दृष्टान्त 2. अलौकिक कर्म 3. बैतनिय्याह 4. क्रूस 5. प्रथम ईसाई 6. याकूब और परिवार 7. यूसुफ 8 प्रेरितों 2:42 आगे की ओर 9. मूसा 10. मूसा 11. व्यवस्था 12. क्रिसमस की कहानी
सीरीज़ C	1. दानियेल 2. और अलोकिक कर्म 3. यीशु ने मिले लोग 4. मसीह की मौत 5. रूत और शमुएल 6. दाऊद 7. दाऊद 8. यहोशू 9. एलिय्याह 10. एलिय्याह 11. योना 12. क्रिसमस की कहानी	1. दानियेल 2. यीशु ने मिले लोग 3. और अलोकिक कर्म 4. मसीह की मौत 5. रूत 6. शमूएल 7. दाऊद 8. यहोशू 9. एलिय्याह 10. एलिय्याह 11. परमेश्वर द्वारा उपयुक्त लोग (पुराना नियम) 12. क्रिसमस की कहानी	1. दानियेल 2. यीशु की कहावत 3. प्रभु की शक्ति 4. मसीह की मौत 5. रूत 6. शमूएल 7. दाऊद 8. यहोशू 9. एलिय्याह 10. एलिय्याह 11. पुराने नियम के और किरदार 12. क्रिसमस की कहानी

A1 कहानी 1

परमेश्वर ने विश्व का सृष्टि किया- यह कहानी आकाश और पृथ्वी की सृष्टि के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • परमेश्वर ने पृथ्वी का सृष्टि किया। • परमेश्वर की हर सृष्टि केलिए हम उन्हे धन्यवाद करना चाहिए। **मुख्य पदः उत्पत्ति 1:1** **बाइबल पाठः उत्पत्ति 1:1-19**
प्रस्तुत करने	• एक घर का चित्र दिखाओ या बच्चों से उनके घर का चित्र बनाने को कहे। • बच्चों से घर के निर्माण के बारे में सवाल पूछें-घर बनाने में कितना समय लगेगा? • घर बनाने में आवश्यक चीज़े क्या है? • घर बनाने के लिए अनेक सामग्री चाहिए लेकिन परमेश्वर इस संसार को शून्यता से बनाया।
सिखाने	• आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि किया। उससे पहले सिर्फ अन्धियारा था। **(उत्पत्ति 1:1-3)**- *अगर हमेशा अन्धियारा हो तो कैसा लगेगा?* (आंखों में पट्ठी बाँधकर इसको समझाया जा सकता है) • पहले दिन परमेश्वर ने कहा "उजियाला हो" अचानक उजियाला हो गया। परमेश्वर ने उजियाला को दिन और अन्धियारे को रात बुलाया। हमेशा अन्धियारे ककी जगह अब अन्धियारे का बाद उजियाला था। **(उत्पत्ति 1:4-5)** • दूसरे दिन परमेश्वर ने फिर से कहा और आकाश और वायु को बनाया जो पृथ्वी के चारों और है। फिर से रात आया और दूसरा दिन समाप्त हुआ। **(उत्पत्ति 1:6-8)**- *बच्चों से गहरी सास लेने को कहे। और उसे वायु की महत्व को समझाए।* • इस समय तक पृथ्वी पानी से भरा था और अब भूमी को बनाने का वक्त आ गया था। परमेश्वर ने कहा और नया भूमी केलिए जगह बनाया। इकठ्टे हुए जल समुद्र बना। परमेश्वर ने फिर से कहा, "पृथ्वी पेड पौधे से भर जाए" परमेश्वर ने देखा कि जो कुछ भी उसने बनाया वह अच्छे थे। यह तीसरा दिन था। **(उत्पत्ति 1:9-13)** *बच्चों से कुछ पौधों के नाम पूछो जो स्थानीय रूप से उगते है। पौधों की विविध रंग आकार और उसका उपयोगिता और सुन्दरता के बारे में चर्चा करो।* • चौथा दिन परमेश्वर ने आकाश में चमकने केलिए ज्योतियाँ बनाया-दिन केलिए सूरज और रात केलिए चाँद। परमेश्वर ने ज्योतियों को देखा और उन्हे अच्छा लगा। **(उत्पत्ति 1:14-19)** *इस बात के बारे में चर्चा करे कि सूरज अच्छा कैसा है। और तारों की संख्या में अचम्भा व्यक्त करे।* • *बच्चों को समझाए की परमेश्वर ने यह खूबसूरत धरती को बनाया जिसमें वह सब चीज़े है जो हमे आवश्यक है। और हमे हमेशा इन सब केलिए परमेश्वर को धन्यवाद देना चाहिए।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करे**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और उसका व्याख्या करो- **उत्पत्ति 1:1**
याद करने	• आरम्भ में पृथ्वी कैसे दिखता था? • कौनसा दिन उजियाला हुआ? • दुसरे दिन परमेश्वर ने आसमान और ...... का सृष्टि किया। • आरंम्भ में पृथ्वी किससे आवृत था? • तीसरे दिन परमेश्वर ने क्या बनाया? • दिन पर प्रभुदता करने केलिए परमेश्वर ने कौनसा उजियाला बनाया? • रात केलिए कौनसा उजियाला बनाया? • इस पद को पूरा करो - " आदि में परमेश्वर ने...."

A1 कहानी 2

परमेश्वर मनुष्य और जीव-जन्तु को बनाता है- यह कहानी पहला पुरुष के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप में बनाया, और वे उसके लिए बहुत खास है। • हमे परमेश्वर के रास्ते में चलना चाहिए क्योंकि वह हमारा सृष्टिकर्ता है। **मुख्य पदः उत्पत्ति 1:31** **बाइबल पाठः उत्पत्ति 1:20, 2:3**
प्रस्तुत करने	• कोई भी वस्तु जो आपने बनाने की कोशिश की लेकिन ठीक से बना नही पाए उसे लाकर बच्चों को दिखाओ। और उन्हे बताऔ, की असफल होना कितना निराशाजनक होता है। • बच्चों को समझाऔं की परमेश्वर ने अनेक जीव-जन्तु को बनाया और वह उन सब से निराशा नही थे। • बच्चों को कुछ जानवरों का शब्द निकालने को कहो।
सिखाने	• पाँछवे दिन परमेश्वर ने अनेक पक्षी और समुद्री जीव को बनाया। परमेश्वर ने उन चीज़ों को देखा जो उसने बनाया और उसे अच्छा लगा। **(उत्पत्ति 1:20-23)** *आपके ग्रूप के बच्चो को परिचित कुछ पक्षी और समुद्री जीव के बारे मे चर्चा करे।* • छठे दिन परमेश्वर ने सारे जानवरों को बनाया। लम्बे गर्दन वाले जिराफ और नुकीली दाँत वाला शेर और बाध-परमेश्वर ने उन्हे सब बनाया। **(उत्पत्ति 1:24,25)** • हालाकि परमेश्वर ने अनेक चीज़ों को बनाया, लेकिन उसे अब कुछ और भी बनाना था और उसने बडो अनोखे तरीके से उसे बनाया। *बच्चो को एक मुट्ठी भर घूल दिखाऔ और उससे पूछो की वे इससे क्या बना सकते है।* परमेश्वर ने भूमि की मिट्ठी से पहले मनुष्य को बनाया। जब परमेश्वर ने मनुष्य की नथनों पर श्वास फूँका तो वह जीवित बन गया। पहला मनुष्य का नाम आदम था। **(उत्पत्ति 1:26-31)** *बच्चों को समझाऔ को परमेश्वर ने आदम को अपने स्वरूप में बनाया। क्योंकि हम परमेश्वर के स्वरूप में बनाया गया है हम दुसरे जानवरों से विभिन्न है। हम सही या गलत में फर्क कर सकते है और परमेश्वर के मार्ग में चलना सीख सकते है।* • परमेश्वर ने छह दिन में इस सन्सार और सब कुछ बनाया। जब काम सम्पूर्ण हुआ तब उसने कहा कि अच्छा है। सातवे दिन उसने विश्राम किया और अपने सृष्ठि में वे बहुत सन्तुष्ट थे। **(उत्पत्ति 2:1-3)** *व्यस्त जीवन के बीच में आराम करने की आवश्यक्ता के बारे में बच्चों को समझाओं।* • *यह कहकर समाप्त करे की यह सन्सार जो परमेश्वर ने बनाया वह एकदम सम्पूर्ण था, और परमेश्वर अपने सृष्टि से प्रसन्न थे।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करे**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और उसका व्याख्या करो- **उत्पत्ति 1:31**
याद करने	• परमेश्वर ने पक्षी और समुद्री जीव को किस दिन में बनाया? • उसके बारे में परमेश्वर ने क्या कहा? • छठे दिन जानवरों के साथ परमेश्वर ने और क्या बनाया? • सृष्टी समाप्त होने पर परमेश्वर ने क्या कहा? • पहला मनुष्य कौन था? • मनुष्य को बनाने केलिए परमेश्वर ने किस चीज़ का इस्तमाल किया? • इस सन्सार को बनाने केलिए परमेश्वर को कितने दिन लगे? • सातवें दिन परमेश्वर ने क्या किया?

A1 कहानी 3

पहले पुरुष और स्त्री- यह कहानी आदम की पत्नी के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • परमेश्वर ने उनके सृष्टि की देखभाल करने में मदद करने आदम केलिए एक पत्नी बनाई। • सब कुछ परमेश्वर के नियन्त्रण में है। **मुख्य पदः उत्पत्ति 2:18, भजन संहिता 24:1** **बाइबल पाठः उत्पत्ति 2:4-25**
प्रस्तुत करने	• अगर बच्चों को एक बगीचे में काम करने का अनुभव है तो उससे उन पौधों के बारे में बात करो जो उसने उगाया है। या फिर कुछ पेड-पौधों के चित्र दिखाओ। • बच्चों को समझाओं की अदन की वाटिका इतना ज्यादा खूबसूरत था की वह हमारे कलपना से बाहर है। • आदन की वाटिका के बारे में चर्चा करो- क्या आप अदन के वाटिके में रहना पसन्द करेंगे? आपको सबसे ज्यादा आन्नद किसमे होता? क्या आपको लगता है कि अदम अकेलापन महसूस करता था?
सिखाने	• अदन नामक एक सुन्दर बगीचे में अदम रहते थे। यहाँ परमेश्वर ने उसे सब कुछ दिया जो वह चाहता था- भोजन और पानी। परमेश्वर ने अदम को वाटिका का देखभाल करने को भी कहा **(उत्पत्ति 2:15)** • परमेश्वर ने अदम को उन सभी पशू-पक्षियों को दिखाया जो उसने बनाया था। अदम ने हर एक को नाम दिया **(उत्पत्ति 2:19,20)** • परमेश्वर नही चाहते थे कि अदम अकेला रहे। अदम अनोखे जानवर, पक्षियों और पेडों से घीरा हुआ था। लेकिन परमेश्वर जानता था कि अदम अकेला है और उसे बगीचे में अपना जीवन साथी के रूप में किसी खास व्यक्ति की ज़रूरत है। परमेश्वर ने अदम को गहरी नींद में डाला, और उसका पसली निकालकर पहली स्त्री को बनाया। अब अदम बिन्कुल अखेला नही था। अब उसे हव्वा नाम की एक पत्नी थी जो अदन वाटिका की देखभाल करने में उसका साथी होगा। **(उत्पत्ति 2:20-24)** • वाटिका में बहुत सारे पेड थे। वाटिका के बिल्कुल बीच में 'जीवन के वृक्ष' और ' भले या बुरे के ज्ञान के वृक्ष' लगाया गया था। परमेश्वर ने कहा की 'भले या बुरे के ज्ञान के वृक्ष' के अलावा वे किसी भी पेड के फल खा सकते थे। **(उत्पत्ति 2:16-17)** *बच्चों से स्कूल या घर में लगाए गए नियमों के बारे में चर्चा करो। नियमों का आवश्यक्ता क्यों है? (हमे खुश और सुरक्षीत रकने केलिए) परमेश्वर ने अदम औऱ हव्वा से किस आदेश को मानने केलिए कहा था? इसके बारे में चर्चा करे।* • *बच्चों को समझाओं की परमेश्वर इस सन्सार का सृष्टिकर्ता है और उस पर उसका अधिकार है। इसलिए उससे अच्छा कोई नही है जो तय कर सके की लोग इसमें कैसा व्यवहार करना चाहिए। हमें भी परमेश्वर के नियमों का पालन करने की ज़रूरत है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करे**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और उसका व्याख्या करो- **उत्पत्ति 2:18** और **भजन संहिता 24:1**
याद करने	• अदम कहा रहता था? • अदम वाटिका में क्या करता था? • जानवरों को नाम कहा से मिला? • वाक्य को पूरा करोः अदम केलिए परमेश्वर ———— बनाना चाहता था। • अदम की पत्नी को बनाने केलिए किस चीज़ का इस्तमाल किया? • अदम की पत्नी का नाम क्या था? • वाटिका का खास पेड कोनसा था? • भले या बुरे के ज्ञान के वृक्ष के बारे में परमेश्वर का नियम क्या था?

A1 कहानी 4

परमेश्वर की सन्सार विकृत हो गया - यह कहानी दुनिया में पाप के प्रवेश के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • परमेश्वर की आज्ञा का उल्लन्घन करके आदम और हव्वा ने उनके उत्तम सृष्टि को विकारित कर दिया। • हम भी परमेश्वर की आज्ञा का उल्लन्घन करते है। हमे हमारे पापों पर पश्चाताप होना चाहिए और परमेश्वर से क्षमा माँगनी चाहिए **मुख्य पदः रोमियों 5:12 और 5:1** **बाइबल पाठः उत्पत्ति 3:1-24**
प्रस्तुत करने	• एक खूबसूरत चित्र लाना और उस पर लिख कर या टुकडों में फाड कर उसे खराब करना। • चर्चा करो- उस चित्र को क्या हुआ? वह अब कैसे दिखता था। • बच्चों को समझाओ की परमेश्वर ने एक अत्युत्तम सन्सार बनाया था लेकिन बाद में यह विकृत हो गया।
सिखाने	• सन्सार को जब पहली बार बनाया गया तब सब कुछ सही था, लेकिन एक दिन परमेश्वर का विरोधी, शैतान ने एक साँप के भेस में वाटिका में प्रवेश किया। साँप ने हव्वा को बताया की अगर वह 'भले या बुरे का ज्ञान' की वृक्ष का फल खाऐगी तो वह परमेश्वर की तरह समझदार बन जाएगी। **(उत्पत्ति 3:1-5)** • हव्वा ने परमेश्वर के दुश्मन की बात सुनी। उसने परमेश्वर की आज्ञा न मानके फल में से कुछ ले लिया। उसने कुछ आदम को भी दिया और दोनों खा लिया। **(उत्पत्ति 3:6)** • उस शाम परमेश्वर उनसे बात करना चाहता था। लेकिन उन्हे पता था कि उन्होने उसके आज्ञा का उल्लन्गन किया था। इसलिए उन्होने उनसे छिप गए। **(उत्पत्ति 3:7,8)** *क्या आपने किसी की अवज्ञा की है? उसका नतीजा क्या था? बच्चो को समझाओ की वे परमेश्वर से कभी छिप नही सकते और न हम भी कर सकते है।* • परमेश्वर ने पुकारा ' तुम कहाँ हो?' परमेश्वर को पता था कि वे उनका आज्ञा का उल्लन्कगन किया है। हालाकि वे अभी भी उन्हे प्यार करता था लेकिन उनकी अवज्ञा केलिए उन्हे दंडित किया जाना था। परमेश्वर के सृष्टि को विकृत कर दिया और परमेश्वर से उनके रिश्ते को भी तबाह कर दिया था। आदम और हव्वा के पास के कारण काँटे और ऊँटकटोर उगने लगे। जीव जन्तु बीमार होने लगे और सबसे बुरा यह हुआ कि पाप ने दुनिया में प्रवेश किया **(उत्पत्ति 3:9-24)** • *जब हम गलतियाँ करते है तो परमेश्वर निराश हो जाते है। परमेश्वर को नाराज़ करने वाले कार्य के बारे में बच्चो के साथ चर्चा करो। हमारी गलतियों के बावजूद वे हमे बहुत प्यार करते है। परमेश्वर का पुत्र यीशु हमारे पापों के प्रायश्चित केलिए क्रूस पर मरा। ताकी हमें माफि मिले और उस पर विश्वास करके उनके दोस्त बने।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करे**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और उसका व्यख्या करो **रोमियो 5:12 और रोमियों 5:1**
याद करने	• हव्वा को फल लेने केलिए किसने प्रलोभ किया? • शैतान ने हव्वा को फल खाने केलिए कैसे उकसाया? • हव्वा ने फल किसको दिया? • परमेश्वर के पुकारने पर आदम और हव्वा ने क्या किया? • आदम और हव्वा के व्यवहार पर परमेश्वर को कैसा महसूस किया। • आदम और हव्वा को क्या हुआ? • हमारे गलतियाँ पर भगवान कैसे महसूस करता है? • हमारे पापों से हमे क्षमा कैसे मिलेंगे?

A2 कहानी 1

नूह परमेश्वर का आज्ञा मानता है- यह कहानी नूह के जहाज़ का निर्माण के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • नूह उनके परिवार और जानवरों को जहाज़ में सुरक्षित रखा गया था। • हमारे उद्धार केलिए भी परमेश्वर ने एक रास्ते का प्रबन्ध किया है इसलिए नूह की तरह हम भी परमेश्वर पर विश्वास कर सकते है। **मुख्य पदः** **प्रेरितों 16:31** **बाइबल पाठः** **उत्पत्ति 6:5-22**
प्रस्तुत करने	• बच्चों से उनके पसन्दिदा जानवरों के बारे में पूछों। • चर्चा करोः क्या होगा अगर यह सारे जानवर एक ही स्थान पर इकठ्टा हो जाए? इसके लिए कितने जगह की जरूरत होगा? वहाँ कितना कोलाहल होगा? वहाँ कितना दुर्गन्ध होगा? • बच्चों को बताओं की वह एक ऐसी बाइबल कहानी के बारे में सीखने जा रहे है जो उस समय का था जब कुछ लोग और बहुत सारे जानवर एक बडा सा जहाज़ में चढे।
सिखाने	• जब परमेश्वर ने पहले यह सन्सार बनाया तब सब कुछ अच्छा और सुन्दर था। जल्द ही आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उल्लन्गन किया। उनके बच्चे इतने स्वार्थी और दुष्ट बने कि परमेश्वर ने उने बनाने में पछताया। **(उत्पत्ति 6:5-6)** • पूरी दुनिया बहुत दुष्ट थी लेकिन एक आदमी था जिससे परमेश्वर प्रसन्न थे। उसका नाम था नूह, उसका पत्नी, तीन बेटे और बहुँए ने परमेश्वर की इच्छाओं का पालन करने का पूरा कोशिश किया जब दूसरे परिवारों ने परमेश्वर को बिल्कुल भूल चुके थे **(उत्पत्ति 6:8-10)** • परमेश्वर ने फैसला किया कि दुनिया में इतना दुष्टता भर गया कि उसे दन्डित करना चाहिए था। उसने नूह से एक बडा जहाज़ बनाने को कहा। जब जहाज़ का निर्माण पूरा हुआ परमेश्वर ने एक बडा जलप्रलय भेजा। हर जीवित वस्तु का नाश होगा लेकिन नूह और उसका परिवार जहाज़ में सुरक्षित रखा जाएगा। **(उत्पत्ति 6:13-18)** • नूह ने वह सब कुछ किया जैसे परमेश्वर ने उसने कहा। जहाज़ बनाने में नूह को 100 साल लगे होगे। *इसका विस्तार के बारे में चर्चा करो- एक फूटबाल मैदान के उतना बडा और तीन मज़ीले के उतना ऊँचा। बहुत कडी मेहनत के बाद आखिरखार* जहाज़ का निर्माण पूरा हो गया। **(उत्पत्ति 6:22)** • परमेश्वर ने नूह से हर तरह के पशु-पक्षी को जहाज़ के अन्दर लाने को कहा। इन्हे नूह और परिवार के साथ सुरक्षित रखा जाना था। जब सब जहाज़ के अन्दर थे परमेश्वर ने दरवाज़ा बन्द कर दिया। उन्हे सुरक्षित रखने की उन्की योजना सफल हो गया था। **(उत्पत्ति 7:13-16)** • *समझाओ की हम ने भी अनेक गलतियाँ किए है। हमारे पापों की सज़ा से बचने केलिए उद्धार पाना ज़रूरी है। अगर हम परमेश्वर के पुत्र प्रभु यीशु पर भरोसा करे तो हमारे सुरक्षा केलिए परमेश्वर ने एक रास्ता तैयार किया है। प्रभु यीशु एक जहाज़ की तरह है जो परमेश्वर ने हमे दिया है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करे**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और उसका व्यख्या करो **प्रेरितो 16:31**
याद करने	• दुनिया में क्या समस्या थी? • परमेश्वर ने क्या करने का फैसला किया? • परमेश्वर किससे प्रसन्न थे? • परमेश्वर ने नूह से क्या करने को कहा? • जहाज़ में कौन-कौन चढे? • जहाज़ के द्वार को किसने बन्द किया? • जहाज़ के अन्दर के लोग सुरक्षित क्यों थे? • हमारे पापों के सज़ा से हमे कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है?

A2 कहानी 2

जहाज़ में सुरक्षित - यह कहानी जलप्रलय के आरम्भ के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • नूह और परिवार सुरक्षित रखा गया क्योंकि उन्होने परमेश्वर की आज्ञा मानकर उन पर विश्वास किया था। • अगर हम परमेश्वर पर विश्वास करेंगे तो हमे भी सुरक्षित रखने का वादा उन्होने किया है। **मुख्य पदः** **नीतिवचन 29:25** **बाइबल पाठः** **उत्पत्ति 7:1-16**
प्रस्तुत करने	• बच्चों को उन चीज़ो के बारे में बताने को कहे जो उन्होने बनाए है- उसे बनाने केलिए क्या उपयोग किया? क्या उसे बनाना मुश्किल था। क्या किसी ने उसे बनाने में मदद किया। • पिछली कहानी की समीक्षा करे- जहाज़ का निर्माण में नूह ने क्या उपयोग किया? क्या आपको लगाता है कि जहाज़ बनाना मुश्किल था? उसने जहाज़ को क्यों बनाया? • उस कार्य की महत्व पर ज़ोर दो की जहाज़ बनाना कठिन काम था लेकिन परमेश्वर के आदेश पर नूह ने जहाज़ बनाया। उसने परमेश्वर के निर्देशों का पालन पूरी तरह से किया।
सिखाने	• अब नूह और परिवार जहाज़ में सुरक्षित थे। **(उत्पत्ति 7:6-7)** • सात दिन के बाद बारिश शुरु हुई। दिन-ब-दिन बारिश होता रहा। सारे घास और फूल पानी में डूब गए। नदियों और समुद्र में बडी बाढ़ आई। **(उत्पत्ति 7:17-20)** *बच्चों को समझाओ की जिन्होने भी पहले नूह पर मज़ाक उडाया उनके लिए अब बहुत देर हो चूकी थे।* • पृथ्वी पर पानी बढने लगे। घरों, पेडों और ऊँचे पहाडों भी बढती पानी में डूब गई। **(उत्पत्ति 7:20-21)** *कल्पना करने कि कोशिश करो की नूह और उसके परिवार जहाज़ के अन्दर कैसे महसूस कर रहे होगे? क्या हुआ होगा अगर नूह ने परमेश्वर की आज्ञा के पालन नही किया होता?* • जहाज़ के अन्दर नूह और परिवार सुरक्षित थे। क्योंकि नूह ने परमेश्वर पर भरोसा किया वे और उसके परिवार सुरक्षित रखे गए थे। **(उत्पत्ति 7:23)** • *बच्चों को समझाओ की परमेश्वर चाहते है की हम भी उनके आज्ञा माने और उन पर विश्वास करे। परमेश्वर ने वादा किया है कि नूह की तरह अगर हम भी उन पर भरोसा करके उनका आज्ञा का पालन करे तो हमे भी सुरक्षित रखा जाएगा।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करे**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और उसका व्यख्या करो **नीतिवचन 29:25**
याद करने	• नूह ने परमेश्वर पर अपने विश्वास को प्रकट कैसे किया? • कौन-कौन नूह के साथ जहाज़ के अन्दर गए? • बारिश शुरु होने के पहले कितने दिन वे जहाज़ के अन्दर थे। • पृथ्वी में पानी कितने ऊपर चढा? • कौन सुरक्षित रखा गया? • नूह को सुरक्षित क्यों रखा गया? • परमेश्वर पर भरोसा रखने पर हमारी सुरक्षा कौन करेंगे? • हमारे पापों के सज़ा से हमे कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है?

A2 कहानी 3

एक नई शरुआत - यह कहानी जलप्रलय की अन्त के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • परमेश्वर ने नूह को रहने केलिए एक नया और स्वच्छ दुनिया दिया। • अगर हम परमेश्वर से क्षमा माँगे तो वे हमारे जीवन को नया और स्वच्छ बना देगा। **मुख्य पदः** **2 कुरिन्थियों 5:17** **बाइबल पाठः** **उत्पत्ति 8:1-19**
प्रस्तुत करने	• बच्चों से कहो की नूह और उसके परिवार को एक लम्बे समय जहाज़ में बिताना पडा। • जहाज़ में रहने का अनुभव के बारे में बच्चों को कल्पना करने को कहो- आप पूरे दिन कैसे बिताएँगे? आप का अनुभव क्या होता?
सिखाने	• चालिस दिनों के बाद बारिश रुक गई। लेकिन बाढ़ के कारण पहाडों अभी भी पानी में डूबे थे। **(उत्पत्ति 8:1-4)** • एक दिन नूह ने जहाज़ से बाहर एक कौवे को छोडा यह देखने केलिए की बाढ़ चले गए या नही। कौआ वापस नही आया। बाद में नूह ने एक कबूतर को छोडा लेकिन जल्द ही वह वापस लौटा। एक हफ्ते के बाद उसने एक बार और कबूतर को बाहर छोडा और जब वह जैतून का एक नया पत्ता लेकर वापस लौटा तब सब वास्तव में खुश हुए। बच्चों को समझाओ की इसका मतलब था कि पेडों का शिखर अब पानी के ऊपर थे। **(उत्पत्ति 8:6-11)** • सात दिन के बाद नूह ने एक बार फिर कबूतर को छोडा। इस बार वह वापस नही लोटा। नूह समझ गया कि अब पानी का स्तर और नीचे चला गया था और कबूतर ने एक नया घर खोज लिया था। आखिरकार जहाज़ अरारात नामक एक ऊँचे पहाडे पर टिका। **(उत्पत्ति 8:12)** • जब जल पृथ्वी में से सुख गया तब परमेश्वर ने नूह से अपने परिवार और सारी पशु पक्षियों के साथ बाहर आने का निर्देश दिया। यह सभी केलिए एक अच्छी खबर थी क्योकि वे बहुत समय से जहाज़ मे बन्द थे। नूह और उसके परिवार जब जहाज़ से बाहर आ रहे थे तब उसके एहसास के बारे में आपका विचार क्या है? नई पृथ्वी की रूप के बारे में बच्चों से चर्चा करो। **(उत्पत्ति 8:15-19)** • बच्चों को समझाऔ की नूह के समय और आप के समय में ज्यादा अन्तर नही है। परमेश्वर हमारे जीवन की गन्दगी मीटा के हमे एक नया मन दे सकता है। हम उस प्रभु यीशु से क्षमा माँग के उस पर विश्वास करना चाहिए जिन्होने हमारे पापों के प्रयश्चित केलिए क्रूस पर अपना प्राण दिया। **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और उसका व्यख्या करो -**2 कुरिन्थियों 5:17**
याद करने	• नूह ने पहले किस पक्षी को जहाज़ से बाहर बेजा? • दूसरी बार कबूतर ने अपने चोंच से क्या लेकर आया? • जहाज़ किस पहाड मे आकर टिका? • नूह से जहाज़ के बाहर आने का आदेश किसने दिया? • जलप्रलय से कौन सुरक्षित रखा गया? • हमारे पापों का दन्ड किसे मिला? • एक नया मन मिलने के लिए हमे क्या करना चाहिए? • वाक्य को पूरा करो, 'यदी कोई मसीह में हे थो........'

A2 कहानी 4

परमेश्वर का वादा - यह कहानी धन्यवाद देने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • परमेश्वर हमेशा अपने वादे का पालन करता है। • जैसे परमेश्वर ने नूह और उनके परिवार की देखभाल किया उसी तरह परमेश्वर ने वादा किया है कि जो भी उस पर विश्वास करके उसका अनुगमन करेंगे उसे कभी नही छोडेंगे **मुख्य पदः** **गिनती 10:29 और इब्रानियो 13:5** **बाइबल पाठः** **उत्पत्ति 8:20-22 और 9:7-17**
प्रस्तुत करने	• बच्चों को ऐसा एक समय के बारे में उदाहरण दो जब किसी ने आप से एक वादा किया था। • बच्चों को अपने साथियों से उन्हे मिले वादे के बारे में बताने का अवसर दो। • बच्चों से पूछो अगर किसी ने उनसे किए वादे को निभाया न हो। • बच्चों से कहो की बाइबल परमेश्वर से दिए वादों से भरे हुए है और परमेश्वर कभी उन्के वायदो का नही तोटता। • बच्चों से कहो कि अगर हम परमेश्वर पर भरोसा करके उन्हे अनुगमन करने का निर्णय लिया तो वे हमे कभी नही छोडने का वादा किया है।
सिखाने	• नूह और उनके परिवार सुरक्षित थे; वे एक लम्भे समय से जहाज़ के अन्दर थे। लेकिन अब परमेश्वर ने नूह, उनके परिवार और पशु पक्षियों को जहाज से बाहर आने का आदेश दिया **(उत्पत्ति 8:15-19)** • वह पहली कार्य जो नूह करना चाहता था वह था उसे और परिवार को जलप्रलय में सुरक्षित रखने केलिए परमेश्वर को धन्यवाद देना। इसकेलिए उन्होने कुछ बडे पत्थर इकठ्टे किए, और उसे एक के ऊपर एक रखकर एक वेदी बनाया। नूह के समय में परमेश्वर ने जो कुछ किया उसके लिए धन्यवाद कहने केलिए वेदी में जानवरों का बलिदान करते थे। **(उत्पत्ति 3:20-21)** *किस प्रकार के चिज़ो केलिए हम परमेश्वर को धन्यवाद दे सकते है? (एक परचे पर सूची बनाओ)* • परमेश्वर बहुत प्रसन्न थे कि नूह और उनके परिवार ने उन्हे याद किया। फिर परमेश्वर ने उन्हे एक अनोखा वादा दिया। “में फिर कभी भी पृथ्वी पर जलप्रलय होने नही दूँगा” **(उत्पत्ति 8:21-22)** • फिर परमेश्वर ने उनको कुछ दिखाया जो उनके वादे का याद दिलाने का चिन्ह था। वह एक इन्द्रधनुष था। हर बार जब नूह और उसके परिवार ने इन्द्रधनुष को देखा तो उन्हे परमेश्वर का वादा के बारे में याद दिलाया। **(उत्पत्ति 9:12-13)** *इन्द्रधनुष और उसके सुन्दर रंगों के बारे में बात करो। अगली बार जब बच्चो इन्द्रधनुष को देखते है तब परमेश्वर की वादे के बारे में सोचने केलिए उन्हे प्रोत्साहित करो।* • *क्या परमेश्वर ने नूह को दिए अपने वादे को निभाया? बच्चों को समझाने में मदद करो कि अगर हम परमेश्वर पर भरोसा करने पर हमेशा हमारे साथ रहने का वादा परमेश्वर निभाता है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और उसका व्यख्या करो -**गिनती 10:29 और इब्रानियो 13:5**
याद करने	• पिछले अध्याय से नूह के बारे में कुछ सवाल चुनो ताकि हम समझ सके की बच्चों को कहानी अभी भी कितना याद है। • मुख्य पद को दोहराओ। • बच्चो कहानी के अपने पसन्दिदा भाग के चित्र बना सकते है या जो कुछ उन्होने सीखा है, उसके बारे में कुछ वाक्य लिख भी सकते है। • बच्चों से एक झुण्ड बनाकर चित्र का एक कोल्लाज़ बनाने को कहो जिसमे जहाज़ से निकलते हुए लोग और जानवर, एक वेदि और इन्द्रधनुष का चित्र शामिल है।

A3 कहानी 1

यीशु पतरस को बुलाता है - यह कहानी प्रभु यीशु के अनुयायी बनने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • यीशु को उनके साथ काम करने और भविष्य में इस काम को जारी रखने केलिए शिष्यों की आवश्यक्ता थी। • यीशु के शिष्य बनने केलिए हमे यीशु का आज्ञा का पालन करके उसका अनुगमन करना चाहिए। **मुख्य पदः** **मत्ति 4:19** **बाइबल पाठः** **मत्ति 4:18-22**
प्रस्तुत करने	• दोस्तों के बारे में बात करो। वे अपने दोस्तो से पहले कहाँ मिले थे? दोस्त मिलना अच्छी बात क्यों है? किस तरह के दोस्त मिलना अच्छे है? (सुझाव में दयालु, उपकारी, विश्वसनीय आदि शामिल कर सकते है) • बच्चो से कहो की प्रभु यीशु को भी कई अच्छे दोस्त थे और आज उनमे से कुछ दोस्तो के बारे में हम सीखने जा रहे है। • नज़ारे का व्याख्या करो- पहाडों से घिरा गलील नामक एक बडा झील। मछुआरे वहाँ मछलि पकडते थे। वर्णन करो कि वे यह कैसे करते (नाव, जाल...) यह बहुत कठिन प्रयत्न था।
सिखाने	• यीशु पतरस और उसका भाई आन्द्रियास को बुलाया। **(मत्ति 4:18-19)** पतरस और यूहन्ना पहले भी यीशु से मिल चुके थे और उन्हे पता था कि वे कितना खास व्यक्ति था। अब यीशु चाहता था कि वे अपने मछुवारें का काम छोडकर उसका साथ आए और अपने काम में उसकी सहायता करे। *यीशु दुवारा इस्तमाल किए असली शब्दों का इस्तमाल करो और ससझाओ की उनका नया काम अन्य लोगों को यीशु से परिचय कराना हे। कितनी विशेष कर्तव्य केलिए यीशु ने उन्हे आमन्त्रित किया था।* • पतरस और आन्द्रियास का अनुक्रिया **(मत्ति 4:20)** वे तुरन्त समझ गए की यह करना ही सही कार्य है। यीशु के साथ तुरन्त जाकर उसने अपना तत्परता दिखाई। *इसकी तुलना बच्चों के जीवन की घटना से करे जहाँ वे तुरन्त आज्ञा का पालन किया हो। पता लगाए कि पतरस और अन्द्रियास ने कैसे महसूस किया होगा। (यीशु से चुने जाने पर खुश, उत्तेजित और खास) लेवल 2 के बच्चों से कहो की अब वे यीशु गए वे साथ चलने, उससे सीखने और उनके आदेश का पालन करने को वे तैयार थे।* • यीशु याकूब और यूहन्ना को बुलाता है। **(मत्ति 4:21-22)** उस दिन बाद में यीशु ने दो और मछुवारे को बुलाया और वे भी उसको पीछे हो गए। (लेवल 2) • *प्रभु यीशु चाहते है कि हम में से हर एक उनके शिष्य बने। अगर हम उसके शिष्य है तो वह हमें अपने कर्तव्य केलिए उपयोग कर सकते है। बाइबल के मछुआरों के तरह हमे भी उनके आज्ञा का पालन करना चाहिए। हमारे लिए परमेश्वर का आदेश कहा लिखा है। (बाइबल की महत्व को समझाऔ)* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और उसका व्याख्या करो - **मत्ति 4:19** सुनिश्चित करो की वे 'मनुष्य पकडने वाले' का अर्थ समझते है।
याद करने	• यीशु ने कुल मिलाकर कितने मछुआरो को बुलाया?। • वे कहाँ काम करते थे? • अन्द्रियास का भाई कौन था? • यीशु ने उन्हे क्या बनाने का वादा किया? • पतरस और अन्द्रियास ने यीशु के अनुगमन करने केलिए क्या पीछे छोडा? • यीशु के शिष्य बनने का उत्सुक्ता पतरस और आन्द्रियास ने कैसे दिखाया? • भाईयों की दूसरी जोडी किसकी थी जीसे यीशु ने मिला? • यीशु से मिलने पर याकूब और यूहन्ना क्या कर रहे थे? • नाव में उनके साथ कौन थे? • वाक्य को पूरा करो- अगर हम यीशु के अनुयायि बनने चाहते है तो हम उसका वचन ....।

A3 कहानी 2

यीशु पतरस का मदद करता है - यह कहानी है।

	हम सीख रहे की : • यीशु की शक्ति ने पतरस के जीवन में प्रभाव डाला। • यीशु परमेश्वर का पुत्र है और वह चाहता है की पतरस का तरह हम भी उसका अनुयायी बने। **मुख्य पदः** **लूका 5:10** **बाइबल पाठः** **लूका 5:1-11**
प्रस्तुत करने	• बच्चों से उन चीज़ों के बारे में पूछो जिसमे वे प्रवीण है। बच्चों को याद दिलाए कि हमारे पास भी सामर्थ्य और निपुणता है। • पतरस मछली-पकडने में माहिर थे। वह एक लम्भे समय से एक मछुआरा था। लेकिन आज की कहानी में पतरस सीखता है कि सफल होने केलिए यीशु के निर्देशों का पालन करना जरूरी है। (बच्चों को समझाओं की पतरस को शमौन या शमौन पतरस के नाम से भी जाना जाता है)
सिखाने	• बच्चों को पिछलि कहानी की बारे में याद दिलाना। आज की कहानी में यीशु पतरस के नाव का इस्तमाल करके परमेश्वर की वचन सिखाता है। **(लूका 5:1-3)** • पतरस को यीशु का आदेश। यीशु ने पतरस से गहरे पानी में जाल डालकर मछली पकडने को कहा। **(लूका 5:4-5)** पतरस की भावनाओं के बारे में चर्चा करो। • बडी पकड **(लूका 5:6-7)** पिछली रात और आज की बडी पकड के अन्तर के बारे में व्याख्या करो। यह एक अचम्भा था। मछलियों का सृष्टि कर्तो पतरस के साथ नाव में था। और उसकी शक्ति से मछलियाँ पतरस के जाल में फसे। • *पतरस की प्रतिक्रिया* **(लूका 5:8-9)** व्याख्या करो की पतरस एक नई से यीशु को समझ रहा था। वह पतरस की तरह एक साधारण व्यक्ति नही था। वह सर्वशक्तिमान प्रभु यीशु था। और पतरस जानता था कि उसके तुलना में वह कितना बडा पापी था। • पतरस का नया कर्तव्य **(लूका 5:10)** यीशु ने पतरस से कहा कि आज से वह मनुष्य को पकडेगा। सुनिश्चित करो कि बच्चे इस सन्कल्प को अच्छी तरह से समझते है। प्रभू यीशु उससे कई महत्वपूर्ण कार्य करवाने चाहते है इसलिए उसने सब कुछ छोडकर यीशु का अनुगमन किया **(लूका 5:11)** • *प्रभू यीशु चाहता है कि हम उसके महत्व और शक्ति को पहचाने। यीशु हमारे जीवन में हमारे साथ होगें। पतरस की तरह अगर हम परमेश्वर के आदेश का पालन करके अनुगमन करे तो वे हमारे जीवन में बडा बदलाव लाएंगे।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और उसका व्यख्या करो - **लूका 5:10**
याद करने	• पीटर की किस चीज़ को यीशु ने इस्तमाल किया? • भीड से बात करने के बाद यीशु ने पतरस से क्या कहा? • पतरस आखिरी बार मछली पकडने कब गए? • मछलियों की बडी पकड के बाद पतरस ने क्या किया? • पतरस ने यीशु के पैरो पर क्यों गिरा? • मछलियों की बडी पकड से और कौन अचम्भित थे? • पतरस के भविष्य की कर्तव्य के बारे में यीशु ने क्या कहा? • कहानी के अन्त में पतरस और उनके साथियों ने क्या किया?

A3 कहानी 3

यीशु आन्धी को शान्त करता है - यह कहानी प्रभू यीशु की शक्ति के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • यीशु आन्धी को शान्त करने में सक्षम था क्योंकि वह परमेश्वर का पुत्र था। • हमे प्रभू यीशु को परमेश्वर के पुत्र के रूप में विश्वास करना चाहिए। **मुख्य पदः** **मत्ती 8:27** **बाइबल पाठः** **मत्ती 8:23-27**
प्रस्तुत करने	• बच्चों से परिचित मौसम के बारे में बात करो। क्या कभी मौसम तुरन्त बदलता है? उदाः आप जब अचानक हूई बारिश में फसे है। • चर्चा करोः मौसम का नौकायन पर असर और उच्च हवा का प्रभाव। आज की कहानी में यीशु और उसके चेले गलील झील के उस पार नौकायान कर रहै थे।
सिखाने	• एक शान्त शुरुआत। शान्तपूर्ण दृश्य का वर्णन करे - जल्द ही यीशु सो गए **(मत्ति 8:23-24)** • आन्धी। अचानक एक भयानक तूफान आया और चेले भयभीत हो गए। **(मत्ति 8:24)** दृश्य को स्पष्ट रूप से वर्णन करो - शोर लहरो से नाव का ढकना, नाव से पानी को बाहर फेकने का असफल प्रयास। • चेलों का खौफ। बच्चो को समझाओं की चेलें बहुत डरे हुए थे क्योंकि उन्होने सोचा की वे डूबने जा रहे थे। जल्दी से उन्होने यीशु को जगाया और उन्हे बचाने केलिए कहा, उन शब्दों का इस्तमाल करो जो उन्होने असल में उपयोग किया था। **(मत्ति 8:25)** *चेलो के अविश्वास पर यीशु बेहत निराश थे। समझाओ कि विश्वास करने का मतलब है उस पर विश्वास करना* **(मत्ति 8:26)** • यीशु की शक्ति। फिर यीशु ने आन्धी को शान्त किया। **(मत्ति 8:26) मरकस 4:39** पढो। इस पर जोर दो की आन्धी पूर्ण रूप से तुरन्त ही रुक गए थे। • चेलो का अचम्भा। **(मत्ति 8:27)** *विवरण करो की जब उसने आन्धी और लहरों को शान्त करते हुए यीशु की शक्ति को देखा तो वे समझ गए कि यीशु उनसे विभिन्न थे।* • *यह सुनिश्चित करे कि बच्चो यह समझ पाऐंगे कि यीशु को तूफान शान्त करने से सक्षम क्यों थे? वे परमेश्वर का पुत्र है जो समस्त चीज़ो का सृष्टिकर्ता है।* • *मौसम सहित सारे चीज़ों पर परमेश्वर का नियन्त्रण है। बच्चों से उनके जीवन का ऐसे घटनाओं के बारे में पूछो जहां उन्हे यह एहसास हुआ कि परमेश्वर का नियन्त्रण हमेशा सारी चीज़ों पर है और उस पर विश्वास कर सकते है।* • *हमे यह विश्वास करने की आवश्यक्ता है की वह वास्तव में परमेश्वर का पुत्र है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और उसका व्यख्या करो - **मत्ति 8:27**
याद करने	• यह कहानी कहा होता है? • किसने पहले नाव मे चडा? • आन्धी आने पर लहरो ने क्या किया? • आन्धी के आरम्भ में यीशु क्या कर रहे थे? • चेलो ने यीशु को क्यो उठाया? • किन दो चीज़ों को यीशु ने रोका? • मुख्य पद कहाँ पर है? • यीशु आन्धी को कैसे शान्त किया जब उसके चेले नही नही कर पाए?

A3 कहानी 4

यीशु ने पतरस को बचाया - यह कहानी पतरस कि लघु प्रार्थना के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • पतरस की लघु प्रार्थना सुनकर यीशु ने उसे बचाया। • उद्धार पाने केलिए हमे प्रभु यीशु पर विश्वास करना ज़रूरि है। **मुख्य पदः** **मत्ती 14:33** **बाइबल पाठः** **मत्ती 14:22-33**
प्रस्तुत करने	• बच्चों को समझाओं की जब हम किसी व्यक्ति के साथ समय बिताते है तो हम उसे और बेहतर समझने लगते है। बच्चों को याद दिलाने में मदद करो की पतरस ने अब तक यीशु के बारे क्या कुछ समझा है। • बच्चों से इन विषयों में अपने विचार रकने को कहो जैसेः यीशु परमेश्वर के पुत्र है, वे अद्‌भुत कार्य कर सकते है, समुद्र की ऊपर भी उनका नियन्त्रण था। • आज की कहानी में पतरस यीशु के बारे ममें और ज्यादा जानते है।
सिखाने	• जब यीशु अकेले में प्रार्थना करने गए तब चेलो ने एक नाम लेकर पडे **(मत्ती 14:22-23)**। *यीशु के जीवन में प्रार्थना के महत्व के बारे में व्याख्या करे।* • आन्धी। **(मत्ती 14:24)** पिछली कहानी की आन्धी के बारे में याद दिलाए औऱ आज की घटना का व्याख्या करे। यीशु देख सकते थे कि उनके चेले मुश्किल में थे इसलिए आन्धी रात में यीशु पानी के ऊपर चलकर चेलों के पास पहूँचे। **(मत्ती 14:25-27)** *चेलो की अनुभव और विचार के बारे में विवरण करो। यीशु की प्रोत्साहन बरी शब्दो पर आलोचना करो।* • पतरस की बिनती। पतरस यह सुनिश्चित करना चाहता था की यह सचमुच यीशु था, इसलिए उसने यीशु से पानी पर चलने की माँग किया। यीशु ने कहा, “आ” इसलिए पतरस नाव से उतर कर यीशु कि और चलने लगा। **(मत्ती 14:28,29)** जब तक पतरस ने अपने आँखें यीशु पर रका और नहरों पर ध्यान नही दिया था तब तक सब लहरों ठीक था। आँख हटाते ही वह डूबने लगा। • यीशु पतरस को बचाता है। *पतरस की असली शब्दों को इस्तमाल करके बताओ कि डूबने पर पतरस ने क्या कहकर यीशु को पुकारा।* **(मत्ती 14:30-32)** फिर दोने नाव पर चढे और तूफान थम गई। *इस घटना पर चेलो की प्रतिक्रिया क्या थी, इसके विवरण करो।* **(मत्ती 14:35)** • *पतरस को डूबने से बचाया जाना था। हमारे जीवन के पापों से हमे उद्धार पाना है। प्रभु यीशु ही हमारे लिए यह कर सकता है। यीशु ने हमारे पापों का दण्ड उनके ऊपर लेकर क्रूस पर प्राण दिया। हमे उन पर भरोसा करनी चाहिए।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और उसका व्यख्या करो - **मत्ती 14:33** *दण्डावत्‌ शब्द का अर्थ समझाओ। चेले यीशु के बारे में जानकर विस्मित और खूशी से भरे थे। विस्तार से बताओ की जो कोई भी प्रभु यीशु से प्यार करते है उनके लिए यह एक अत्युत्तम वाक्य है जो वे अपने दिल से कह सकते है।*
याद करने	यह प्रश्नोत्तरी A 3 की सभी कहानियों पर आधारित होना चाहिए। आपके पास कुछ पत्ते है तो उसमे विभिन्न आकार के मछलियों के चित्र बनाओ। एक प्रश्न के उत्तर देने पर बच्चे पत्तों में से एक मछली चुनेंगे। हर पत्ते कि पीछे एक अन्क लिखा हुआ। बच्चो को दो झुण्ड में डोलों और खेल के अन्तमें अन्कों को जोडो। • यह सारी कहानियों कहाँ पर हुए थे? • वाक्य को पूरा करो, “मेरे पीछे चले आओ, तो में .....”? • यह वाक्य को पूरा करो, “यह कैसा मनुष्य है .....”? • प्रभु यीशु ने पहाड पर क्यों गए? • चेलो भयभीत क्यों थे? • इस कहानी में पतरस यीशु के बारे में क्या सीखा?

A4 कहानी 1

पतरस गहरी नींद में - यह कहानी प्रभु यीशु अपने पिता से प्रार्थना करने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • प्रभू यीशु के जीवन में प्रार्थना बहुत महत्वपूर्ण थै? • हमारे लिए भी प्रार्थना बहुत ज़रूरी है? **मुख्य पद:** **यूहन्ना 15:14** **बाइबल पाठ:** **मत्ती 26:36-46**
प्रस्तुत करने	• उन चीज़ों के बारे में बात करें जो बच्चों को मुश्किल लगता है, उदाः एक लम्बी दौड की आखिरी भाग दौडना, ज्यादा देर तक सुनना और एकाग्र रहना, देर रात कोई विशेष कार्यक्रम के बीच में जागते रहने। • आज की कहानी में यीशु को अपने मित्र पतरस से कुछ विशेष सहायता की आवश्यक्ता है। चलो पता करे अगर यीशु से कहे गए कार्य करने में पतरस सक्षम था।
सिखाने	• इस कहानी की पुष्टिका को समझाओ। यीशु जानता था की जल्द ही उनका क्रूस पर मरने का समय आऐंगे। उसने पहले से ही अपने चेलों के साथ रात का भोजन कर चुका था। यीशु अक्सर अपने पिता से प्रार्थना करता था और वह जानता है की इस वक्त अपने भविश्य के बारे में प्रार्थना करना कितना ज़रूरी है। वे अपने चेलों एक वाटिका में लाया जहाँ वे अक्सर प्रार्थना केलिए जाया करता था। आज की रात यीशु चाहता था कि उनके तीन खास दोस्त पतरस, याकूब और यूहन्ना उनके पास जागते हुए प्रार्थना करते रहे। • यीशु ने पतरस, याकूब और यूहन्ना को जाग कर प्रार्थना करने की निर्देश दिए **(मत्ती 26:26-37)** फिर यीशु कुछ दूर जाकर अपने पिता से प्रार्थना किया। *यह बताए कि यीशु कैसे महसूस करता है। उनकी प्रार्थना से पता चलता है कि वे हर कार्य में अपने पिता को प्रसन्न करना चाहता है।* **(मत्ती 26:28-38-39)** एक घंटे बाद यीशु ने पतरस और साथियों को सोते हुए मिले। *उनकी निराशा के बारे में चर्चा करे* **(मत्ती 26:40-41)**। • यीशु ने दुसरी बार प्रार्थना किया और एक बार फिर अपने दोस्तों को सोते पाया। **(मत्ती 26:42-43)**। • यीशु ने तीसरी बार प्रार्थना किया और वापस आने पर फिर एक बार उन्हे सोते हुए मिला। *चर्चा करो की कैसे पतरस और साथियों ने यीशु को निराश किया। इस मुश्किल वक्त में जब प्रार्थना करना बेहत ज़रूरी था वे अपने खूद केलिए भी प्रार्थना करने असफल रहे।* **(मत्ती 26:44-45)** • उस समय यीशु के विराधी उसे गिरफ्तार करने केलिए आया **(मत्ती 26:45-46)**। • *समाप्ति में ज़िक्र करो की प्रलोभन पर काबू पाने में परमेश्वर से शक्ति पाने केलिए प्रार्थना बहुत ज़रूरी है। बच्चों से सम्बन्दित कुछ मौकों का उदाहरण दो।* • *जगते हुए प्रार्थना करने की यीशु के आदेश पालन करने में पतरस और उनके साथी असफल रहे। लेकिन यीशु चाहते है की हम उनके आदेश को माने।* • *चेलो की तुलना में परमेश्वर हमें कभी निराश नही किया। उन्होने प्रार्थना किया और हमारे लिए क्रूस पर प्राण देने का शक्ति उन्हे मिला।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और उसका व्यख्या करो - **यूहन्ना 15:14** बच्चो की समझाओ की परमेश्वर के साथी होना कितना बडा सौभाग्य है।
याद करने	• यीशु कहाँ प्रार्थना करता था? • यीशु किन चेलों के साथ प्रार्थना करना चाहता था? • यीशु किस विषय केलिए प्रार्थना कर रहा था? • यीशु ने पहली बार कितने समय केलिए प्रार्थना किया? • चेलों ने प्रार्थना क्यों नही किया? • कितनी बार यीशु ने उन्हे प्रार्थना करने केलिए कहा? • यीशु की प्रार्थना समाप्त होने पर क्या हुआ? • मुख्य पद कहाँ मिल सकती है? • अगर हम उसकी आज्ञा मानते है तो यीशु हमे किस नाम से पुकारेंगे?

A4 कहानी 2

पतरस की लडाई - यह यीशु की गिरफ्तारी पर हूई घटनाओं के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • यीशु ने खुद गिरफ्तार होने और हमारे लिए अपने प्राण देने को राज़ी हो गए। • हमारी जीवन की मुश्किल परिस्थितियों में होते क्रोध से हम निपट सकते है। **मुख्य पदः** **इफिसियो 4:26** **बाइबल पाठः** **मत्ती 26:47-56**
प्रस्तुत करने	• पिछली कहानी में वाटिका में हुई घटना के बारे में पुनरवलोकन करो। पतरस और उनके दोस्तों ने यीशु की अपेक्षा के अनुसार प्रार्थना नही किया। अब उन्हे और अधिक मुश्किल समय का सामना करना था। वे आगे क्या करेंगे?
सिखाने	• इस घटने की नज़ारे को दर्शाओ। वहाँ अन्धेरा और निशब्दता था। अचानक वहाँ सशास्त्र सैनिको के भारी आहट सुनाई दिया। पतरस और उसके साथी अब क्या महसूस कर रहे होगे? • अचानक विरोधी के भीड में से यहूदा आगे आया और यीशु को चूमा। *स्पष्ट करो की यहूदा कौन था और यीशु को चुमना उन्हे सैनीको से पकडवाने केलिए एक सन्केत था। 'धोखा' शब्द का अर्थ समझाओ।* **(मत्ती 26:47-50)** • जब पतरस को यीशु की गिरफ्तारी के बारे में पता चला उसको बहुत गुस्सा आया और भीड में एक आदमी पर हमला करके यीशु की रक्षा करने की कोशिश किया। **(मत्ती 26:51)** हमारे लिए भी पतरस की तरह गुस्सा होना आसान हे। बच्चों से सम्बन्धित ऐसे दो घटनाओं का सुझाव दो। तुरन्त यीशु ने पतरस से तलवार वापस रखने को आदेश दिया स्पष्ट करो की यीशु जानता था कि सब कुछ परमेश्वर की योजना के अनुसार हो रहा था इसलिए वे नही चाहता था कि पतरस उनके रक्षा केलिए कुछ करे। अपने विरोधियों से गिरफ्तार होने और उनके हाथों से मरने केलिए खुद तैयार था। हमारे लिए यह सब सहने केलिए वे तैयार था। यीशु और पतरस के बीच की अन्तर व्यक्त करो। परमेश्वर से प्रार्थना करने के बाद यीशु शान्त था। पतरस जिसने प्रार्थना नही किया अब ऐसे बर्ताव कर रहा था। **(मत्ती 26:52-56)** • भयभीत होकर चेलो ने यीशु को छोड कर भाग गया। *चर्चा करो की उन्होने यह क्यों किया।* **(मत्ती 26:56)** केवल पतरस ने यीशु का पीछा करने की कोशिश किया, *लेकिन एक सुरक्षित दूरी पर क्योंकि उसे डर था कि वह भी गिरफ्तार हो जाएंगे।* **(मत्ती 26:58)** • *स्पष्ट करो कि अगर हम प्रभु यीशु के संपत्ती हे तो हम प्रार्थना द्वारा हमारे गुस्से में काबू करके आत्मसम्यम पाने केलिए मदद माँग सकते है। पवित्र आत्मा जो एक इसाई के जीवन में रहता है वह उन्हे सही तरीके व्यवहार करने की शक्ती दे सकता है।* • *ऐसे एक घटना का शक्ति दे सकता है। परिणाम कुछ और होता अगर हम नाराज़गी या गुस्से में प्रतिक्रिया नही किया होता।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और उसका व्यख्या करो - **इफिसियो 4:26** समझाओ कि य़दी हम क्रोधित हुए है तो हमे इससे जल्दी छुटकारा पाना चाहिए।
याद करने	• यीशु के विरोधी के साथ वाटिका में कौन आया था? • यहूदा उन्हे कैसे दिखाया कि यीशु कौन था? • जब यीशु गिरफ्तार हुए तब पतरस ने हाथ बढाकर क्या किया? • उस आदमी के शरीर का किस हिस्से को पतरस ने काटा था? • यीशु ने पतरस से क्या करने को कहा? • एक इसाई अपने क्रोध पर कैसे जीत पा सकते है? • यीशु के गिरफ्तारी पर चेलो ने क्या किया? • यीशु को कुछ दूरी पर कौन पीछे कर रहा था?

A4 कहानी 3

पतरस का इनकार - यह कहानी माफी मिलने की आवश्यक्ता के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • कभी हम उतने दिलेर नही होते और हमारे दोस्तो का साथ नही दे पाते और उन्हे निराश करते है। • जब हम प्रभू यीशु को निराश करते है वह तब भी हमे क्षमा करने केलिए तैयार है। **मुख्य पदः** **भजन संहिता 51:7** **बाइबल पाठः** **मत्ती 28:69-75**
प्रस्तुत करने	• इस बात के बारे में बात करे कि हम लोगों को उनकी आवाज़ों से कैसे पहचानते है। यदि बच्चों को फोन का उपयोग करने का अनुभव है तो उन्हे पता होगा कि अक्सर बिना बताए वे कैसे समझ पाते है कि फोन की दूसरे और कौन है। इस बारे में बात करो कि लहज़े कैसे आवाज़ को अलग बनाते है। आप अपने राज्य का उदाहरण ले सकते है जहाँ आप रहते है। • पिछले हफ्ते की कहानी के साथ जुडे-बच्चो को याद दिलाना कि कैसे यीशु की गिरफ्तारी पर चेलों भाग गए थे। लेकिन पतरस यह जानना चाहता था कि यीशु के साथ क्या होने वाला था।
सिखाने	• पतरस महायाचक के आंगन तक गया **(मत्ती 26:69)** *समझाओ कि यह आंगन असली घर के बाहर था। आगंन वाले किसी परिचित घर के उदाहरण दो। इस घटने की नज़ारे को दर्शाओं- एक ठन्डी रात, आग, सैनिक और सेवक जो वहाँ पर मौजूत थे।* • एक दासी ने पतरस को पहचान लिया और दूसरो से कहा कि पतरस यीशु के साथी था। पतरस ने कहा कि वह जानता नही था की उस लडकी क्या कह रही थी। **(मत्ती 26:69-70)** *बच्चो को बताओ कि पतरस ने झूठ बोला था। बिल्कुल वह यीशु के साथ रहते थे। पता करो कि पतरस ने झूठ क्यो बोला।* • जब पतरस चौखट के और गया वहाँ दूसरी लडकी ने उसे पहचान लिया। पतरस ने एक बार ओर बार यीशु को पहचानने से इन्कार कर लिया। **(मत्ती 26:71-72)** *लेवल 2 पढते बच्चों को 'इन्कार' का मतलब समझाओ।* • थोडी देर बात किसी ने आलोचना किया कि पतरस के बोली यीशु के अनुयायियों की तरह था। (पतरस, यीशु और दूसरे अनुयायियों के तरह गलील का रहने वाला था। *इसलिए उनके बोली से वह पहचाना गया) विवरण दो कि पतरस कितना नाराज़ और भयभीत था और उसने तीसरे बार यीशु को पहचानने से इन्कार कर दीया।* • मूर्ग ने बाँग दिया और पतरस को उन बातों का याद आया जो यीशु ने उसे पहले बताया था। **(मत्ती 26:34)** *समझाए कि पतरस इतना परेशान क्यों थे।* **(मत्ती 26:74-75)** • *स्पष्ट करो कि पतरस ने एक गलती किया था। वह एक कायर था और यीशु के अनुयायी होने का सवीकार करने बजाय वह कई झूठ बोले। हम सभी गलतियां करते है।* • *ऐसे कई अवसर है जब हमारे बातों और कर्मो से हम यीशु को निराश करते है। यीशु हमारे गलतियों को क्षमा करने केलिए तैयार है। वह ऐसा करने मे सक्षम है क्योंकि वह हमारे पापों केलिए क्रूस पर प्राण दिया था।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और उसका व्यख्या करो - **भजन संहिता 51:7**। समझाओ कि यह एक प्रार्थना है। यह बताता है कि जब हम प्रभु यीशु से हमारे पापों केलिए क्षमा माँगते है तो ऐसे लगता है जैसे वह हमे धुलाई करके हमे बिल्कुल साफ कर रहा है- हिम से भी शुभ्र!
याद करने	• पतरस कहाँ इन्तज़ार कर रहा था? • पतरस से बात करने वाले पहले व्यक्ति कौन थे? • कितने बार पतरस ने यीशु को इन्कार किया? • पतरस इतने झूठ क्यो बोला? • पतरस ने कितनी बार मूर्ग कि बाँग सुना? • मुर्ग कि बाँग देने पर पतरस को क्या याद आया? • पतरस ने क्यो रोया? • अगर हम यीशु को निराश करते है तो हमे क्या करना चाहिए?

A4 कहानी 4

पतरस का प्यार - यह कहानी है पतरस और यीशु के बीच के बातचित के बारे में।

	हम सीख रहे की : • यीशु को पहचानने से इन्कार करने के बाद अब पतरस को यीशु के प्रति अपना प्यार व्यक्त करने का एक मौका दिया गया था। • प्रभु यीशु चाहते है कि हम भी उससे प्यार करे। **मुख्य पदः** **1 यूहन्ना 4:19** **बाइबल पाठः** **यूहन्ना 21:1-19**
प्रस्तुत करने	• बच्चों से उन पहली कहानियों पर विचार करने केलिए कहो जो उन्होने पतरस के बारे में सुना था। जब यीशु ने पहली बार पतरस को बुलाया तब वह क्या काम करता था। • स्पष्ट करो कि तब से बहुत कुछ बदल गया था। पतरस यीशु का एक खास दोस्त था लेकिन उसने यीशु को निराश किया था। • अल्पकाल में ही यीशु क्रूस पर मरा और पुनर्जीवित भी हो गया। दो अलग मौकों में यीशु ने अपने चेलो से मिलकर उन्हे दिखाया था कि वे जिन्दा है। इस घटने के दूसरे दिन पतरस ने मछली पकडने जाने का फैसला किया।
सिखाने	• चेलो ने सारी रात कोशिश किया लेकिन एक भी मच्छली नही पकडे **(यूहन्ना 21:3)** *उन्हे कैसे लगे होगे - थके, भूखे, निराश* • *इस नज़ारे को दर्शाओं - सुबह की धूप, किनारे पर खडे कोई व्यक्ति। चेलो और उस अजनबी के बीच का बातचित का ब्योरा दो।* **(यूहन्ना 21:4-6)** • जब वे आजनबी के निर्दोशों का पालन किया तब उन्हे मछली की एक बडी पकड मिली (153) अचानक यूहन्ना को एहसास हुआ कि वह अजनबी यीशु था। पतरस इतना उत्साहित था कि वह पानी में कूद गया और यीशु से मिलने केलिए निकल पडा। **(यूहन्ना 21:7-8)** • यीशु ने उनके लिए नाश्ते का आयोजन किया। **(यूहन्ना 21:9-14)** *सोचने की प्रयास करो कि समुद्र किनारे नाश्ता करना कैसे होगा और व्यक्त करो कि यीशु से ऎसे मिलना कितना खास और आकस्मिक था।* • नाश्ते के बाद यीशु ने पतरस से बाते की। तीन बार उसने पतरस से पूछा कि क्या वह उससे प्यार करता है। **(यूहन्ना 21:15-19)** *यह समझाएं कि पतरस केलिए यह कितना महत्वपूर्ण है। यीशु ने यह दिखाया की वे पतरस को माफ कर चुका था और उसके लिए अब एक खास कर्तव्य था। लेवल 2 के बच्चों से यह जिक्र करो की कैसे पतरस ने तीन बार यीशु से अपना प्यार को ज़ाहिर कर रहा था।* • *बच्चो से प्रभु यीशु के प्रति उनके प्यार के बारे में पूछो?* • *पतरस से पूछे गए सवालों का जवाब आप कैसे दोगे? यीशु चाहता है कि हम सब उन्हे प्यार करे और उसके सेवा करे।* • *परमेश्वर हमे प्यार करता है और इसका प्रदर्शन अपने पुत्र को हमारे उद्दार केलिए भेज कर किया। इसके बदले मे हम उसे प्यार करना चाहिए।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **1 यूहन्ना 4:19**
याद करने	• पतरस और उनके साथी कितने देर से मछली पकडने में लगे हुए थे? • किस तरह जाल डालने को उन्हे कहा गया? • उन्होने कितने मछलियाँ पकडे? • यीशु को सबसे पहले किसने पहचाना? • सबसे पहले यीशु के पास पहूँचने कौन चाहता था? • पानी में कूदने से पहले पतरस ने क्या किया? • किसने नाश्ता बनाया? • नाश्ता में क्या था? • यीशु ने तीन बार पतरस से क्या सवाल पूछा? • मुख्य पद कहाँ पाया गया है?

A 5 कहानी 1

अब्राम घर छोडता है - यह कहानी परमेश्वर पर अब्राम का भरोसा के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • ऊर छोडकर एक नए देश चले जाने से अब्राम परमेश्वर का आज्ञा पालन कर रहा था। • हम भी परमेश्वर की आज्ञा का पालन करके हमारा विश्वास दिखाना चाहिए। **मुख्य पदः** **नीतिवचन 3:5** **बाइबल पाठः** **उत्पत्ति 12:1-9**
प्रस्तुत करने	• एक घर से दूसरे घर जाने पर बच्चों के अनुभव के बारे में चर्चा करो। • घर से दूर एक बिल्कुल नए जगह पर रहने पर कैसे महसूस करेंगे? - उत्साहित? चिन्तित? दुखी? खुश? कारण बताओ। • अब्राम के बारे में परिचय दो और विस्तार से ऊर का उनके जीवन के बारे में बताओ - परिवार, दोस्त, घर, जानवर, दौलत... वह एक कुशल जीवन जी रहा था।
सिखाने	• एक दिन परमेश्वर अब्राम से कहा, "..... घर को छोडकर उस देश मे चला जा जो में तुझे दिखाऊँगा **(उत्पत्ति 12:1)** *परमेश्वर ने जो अब्राम से कहा उसमे मुश्किल क्या था? (घर पर अपना अच्छा सा जीवन को छोडना/ ओर जहाँ वह जा रहा है उसके बारे में कोई भी जानकारी न होना।* • परमेश्वर ने अब्राम को कई वादे दिए। **(उत्पत्ति 12:2-3)** *समझाओ की परमेश्वर के हर एक वादे अच्छे थे- उदाः एक बडा जाती और एक महान नाम। वे अब्राम को आर्शीवाद देना चाहता था। जब परमेश्वर किसी को आशिश देता है तब वे अपना अच्छाई दिखा रहा है।* • अब्राम ने परमेश्वर का आज्ञा माना **(उत्पत्ति 12:4)** आपको क्या लगता है कि अब्राम ने आज्ञा पालन क्यो किया? (उन्होने परमेश्वर के वादों पर विश्वास करके उन पर भरोसा किया) • *समझाओ कि अब्राम के साथ और कौन था- उसका पत्नी सारे, भतीजा लूत, नौकर और परमेश्वर भी रास्ता दिखाने केलिए साथ था। वर्णन करो कि कैसे मरुभूमी में इस लम्बी यात्रा के दौरान वे ऊँटों में सवार करके तम्बुओं में ठहरें होंगें।* • *आखिरखार अब्राम कनान पहूँचा।* **(उत्पत्ति 12:6-9)** • *अब्राम अब कैसे महसूस कर रहे होगो? समझाओ की एक वेदी बनाकर अब्राम अपना कृतज्ञता परमेश्वर को दिखा रहा था।* • *उन परिस्थियों का चर्चा करो जहाँ परमेश्वर पर हमे विश्वास करनी चाहिए।* • *समझाओ का इसका मतलब है पूरी तरह से परमेश्वर पर विश्वास करना। हमारी क्षमता पर निर्भर करने के बजाय हमे परमेश्वर पर उम्मीद रखना चाहिए।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **नीतिवचन 3:5** समझाओ कि यह पद बताते है कि अब्राम ने क्या किया था - वह अपनी समझ का सहारा न लेकर सम्पूर्ण मन से परमेश्वर पर भरोसा किया।
याद करने	सही या गलत में जवाब दोः • परमेश्वर ने अब्राम से बाते की। • अब्राम भुखमरी के कारण घर छोडा। • परमेश्वर अब्राम को आर्शीवाद देने का प्रतिज्ञा किया। • अब्राम सत्तर साल का था जब उसने घर छोडा था। • अब्राम अपने मंजिल के बारे में जानता था। • अब्राम का पुत्र का नाम लूत था। • परमेश्वर ने कनान तक अब्राम की अगुआई किया। • नए देश में अब्राम एक घर में रहते थे। • अब्राम परमेश्वर के आज्ञा का पालन करके उन पर भरोसा किया। • परमेश्वर चाहते है कि हम भी उनके आदेश का पालन करके उन पर भरोसा करे।

A 5 कहानी 2

अब्राम ओर लूत - यह कहानी लूत के स्वार्थी चुनाव के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • लूत ने एक स्वार्थी चुनाव लिया जो बाद में गलत साबित हुआ। • सही चुनाव करना हमारे लिए अनिवार्य है। **मुख्य पदः** **फिलिप्पियो 4:19 और उत्पत्ति 13:15** **बाइबल पाठः** **उत्पत्ति 13:1-18**
प्रस्तुत करने	• बच्चो द्वारा लिए जाने वाले चुनावो के बारे में चर्चा करो और उन्हे समझाओ की चुनाव करते वक्त दूसरों को पहला अवसर देना कितना अहम है। • आपस की झगडो के बारे में बात करो और समझाओ कि लडाई कैसे एक दोस्ती को खत्म करता है।
सिखाने	• अब्राम और लूत के चरवाहों के बीच जानवरों को घास और पानी पिलाने पर झगडा शुरु हुआ। **(उत्पत्ति 13:5,7)** • अब्राम समझता था कि झगडा करना गलत है इसलिए उसने सदय लूत से एक दूसरी देश चुनने को कहा। **(उत्पत्ति 13:8-9)** • *प्राकृतिक द्दश्य की चित्रो के सहायता से करो और लूत केलिए रखा गया चुनावो के बीच का अन्तर दिखाओ-* यरदन घाटी के अपजाऊ और समतल भूमी जहाँ हरियाली थी और आसपास की बंजर पहाडी भूमी। *आपको क्या लगता है कि लूत का चुनाव क्या होगा?* • लूत का चुनाव **(उत्पत्ति 13:10-13)** *लूत ने ऐसा एक चुनाव क्यो किया? (जो उन्हे अच्छा लगा वह खूद केलिए चुन लिया) हमारे तरह लूत लालची और स्वार्थी हो रहा था। समझाओं की लूत का चुनाव गलत निकला क्योंकि वहा रहने वाले लोग से परमेश्वर प्रसन्न नही थे।* • अब्राम और लूत एक दूसरे से अलग हो गए लेकिन परमेश्वर ने वादा किया की जल्द ही अब्राम और परिवार को वह सारी भूमि देंगे जितना वे चारों तरफ देख सकता था **(उत्पत्ति 13:14-18)** • *अगर आप अब्राम होते तो कैसे महसूस किया होता? (समर्थन करो की अब्राम को परमेश्वर के वादे थे जो लूत के चुनाव से बेहतर थे।* • *लूत ने एक गलत चुनाव किया। हमें विवेक से चुनाव करने होंगे। सबसे उत्तम चुनाव है प्रभु यीशु से हमारे पापों का क्षमा माँगना और उन्हे हमारे जीवन में आमन्त्रित करना।* • *स्पष्ट करो की परमेश्वर जानता है कि हमारे लिए क्या अच्छा है। परमेश्वर पूरी तरह से हमारी जरूरतो को पूरा करने में सक्षम है जैसे वह अब्राम को भी देने चाहता था। व्यक्त करो को परमेश्वर हमेशा अपने वादे का पालन करता है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **उत्पत्ति 13:15 फिलिप्पियो 4:19**।
याद करने	यह कहानी अब्राम एक वेदी बनाने के साथ समाप्त होता है। बच्चों से नीचे दिए सवाल पूछो और जो भी सही जवाब देता उसे एक पासा डालकर उतने पत्थर के चित्र को जमा करने को कहो। और जो भी झुण्ड जीतने है वे उस पत्थर के चित्रों से एक वेदी बनाने को कहो। • हम कैसे जानते है कि अब्राम एक धनी आदमी है। • झगडे की अन्त करने का निर्णय किसने लिया। • पहले चुनने का मौका किसको था? • लूत किस दिशा कि और निकल पडा? • जिस देश लूत ने चुना उसमे बुराई क्या था? • परमेश्वर ने अब्राम को कहाँ देखने को कहा? • परमेश्वर ने अब्राम को क्या वादा दिया। • अब्राम ने वेदी पर क्या किया जो उसने बनाया था? • हमारे जीवन का सबसे अहम चुनाव क्या है?

A 5 कहानी 3

अब्राम से परमेश्वर के वादे - यह कहानी परमेश्वर के वादों पर विश्वास करने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • परमेश्वर हमारे भविष्य जानता है इसलिए वे वादे कर सकते है। • परमेश्वर चाहता है कि हम उन के वादे पर विश्वास करे। **मुख्य पदः** **1 कुरिन्थियों 10:13 और उत्पत्ति 15:6** **बाइबल पाठः** **उत्पत्ति 15:1-7**
प्रस्तुत करने	• एक ऐसे वादे की उदाहरण दो जो हम बच्चों को दे सकते है। इस बात पर ज़ोर दो की वादे के पूर्ति होने तक जो प्रतीक्षा का समय में कितना खुशी और उत्सुकता होगा। (ऐसे वादे की उदाहरण दो जो किसी परिस्थिती के कारण पूर्ती नही कर पाए) • मनुष्य होने के नाते हमारे वादे का पालन हम अक्सर रख नही पाते लेकिन परमेश्वर हमेशा उनके वादो का पालन करता है।
सिखाने	• परमेश्वर ने एक सपने में एक पुत्र को देने का वादा किया। **(उत्पत्ति 15:1-4)** *इसे अब्राम को दिए गए पिछले वादों से जोडो। जरा सोचो कि नब्बे साल कि व्यक्ति को यह कितना आश्चर्यजनक समाचार होगा।* • परमेश्वर ने अब्राम को तारागण दिखाया और कहा की उनका वंश इन तारों की तरह होगे। **(उत्पत्ति 15:5)** *कल्पना करो तारे गिनना कितना असाध्य है।* • अब्राम परमेश्वर के वादे पर विश्वास करते है। **(उत्पत्ति 15:6)** *अब्राम ने परमेश्वर पर विश्वास क्यो किया, इसके कारणों के बारे में चर्चा करो।* • परमेश्वर ने अब्राम और सारे को नए नाम दिए। **(उत्पत्ति 17:5-15)** *अब्राहम के नए नाम का अर्थ है 'बहुजन के पिता' इसलिए वे अब हमेशा परमेश्वर के वादे को याद रकेगा।* • *परमेश्वर के वचन - बाइबल में हमारे लिए कई वादे है। उन वादों की उदाहरण दो जो परमेश्वर हमे उन पर भरोसा करने पर देते है।* • *परमेश्वर के वचन पर जब हम विश्वास करते है तब वे प्रसन्न होते है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **1 कुरिन्थियो 10:13** (परमेश्वर सच्चा है) विस्तार से बताओ की अपने वादे का पालन परमेश्वर हमेशा करता है। **उत्पत्ति 15:6** - बताओ कि जब अब्राम ने परमेश्वर पर विश्वास किया तब परमेश्वर उनसे बहुत प्रसन्न था।
याद करने	• परमेश्वर ने अब्राम को पहले क्या वादा किया था? • सपने में परमेश्वर ने अब्राम को क्या वादा दिया? • अब्राम की पत्नी कौन थी? • परमेश्वर ने अब्राम को क्या दिखाया? • तारों को परमेश्वर ने किस से तुलना किया? • जब परमेश्वर ने यह वादा दिया तो अब्राम ने क्या किया? • अब्राम का नया नाम क्या था? • जब हमारे लिए परमेश्वर के वादों के बारे में हम सीखते है तब हमे क्या करना चाहिए? • "विश्वास" शब्द का अर्थ क्या है।

A 5 कहानी 4

अब्राम और पाहुन- यह कहानी परमेश्वर के वादे सच होने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • बाइबल लिखे जाने से पहले परमेश्वर अपने वादे उन्य तरीके से भेजते थे। अब्राहम को ऐसा एक सन्देश तीन विशिष्ट व्यक्तियो ने दिया। • परमेश्वर अपने वादे में सच्चे है - उनके लिए कुछ भी असम्भव नही है। **मुख्य पदः उत्पत्ति 18:14** **बाइबल पाठः उत्पत्ति 18:1-15**
प्रस्तुत करने	• चर्चा करो कि आपके घर पर अचानक पाहून आने पर क्या होता है। • उस समय को नज़ारे को दर्शाओ जब पाहुन अब्राहम को मिलने आए- अब्राहम दोपहर के समय तम्भु के द्वार पर आराम कर रहा था जब उन्होने कुछ पुरुष को आते हुए देखा। यह कौन हो सकता है?
सिखाने	• अब्राहम ने पाहुन को स्वागत किया और उनके भोजन का आयोजन किया। **(उत्पत्ति 18:2-8)** *इसमे सारा का हिस्सा को समझाओ। रोमान्चक तरीके से इस घटना को पेश करो - तेज धूप, गरम पैरो पर ठंडा पानी, भोजन की खुश्बु* • भोजन के बाद पाहुन ने यह खबर दिया कि अगले साल सारा एक पुत्र को जन्म देगी। **(उत्पत्ति 18:9-10)** *पाहुन को इस खबर के बारे में जानकारी कैसे मिला? समझाओ कि पाहुन असल में कौन थे - स्वर्ग से परमेश्वर के सन्देश वाहक - एक प्रभु यीशु था और दुसरे स्वर्गदुत। चर्चा करो कि यह खबर सुनने पर अब्राहम ने कैसे महसूस किया।* परमेश्वर के वादे पूरा होने के बहुत नज़तीक थे। • सारा हस पडी क्योकि उसने सोचा कि यह आसम्भव था। लेकिन प्रभू ने असम्भव को कर दिखाने का वादा किया। **(उत्पत्ति 18:11-15)** *चर्चा करो कि सारा की हसने पर परमेश्वर कैसे महसूस किया होगा।* • एक साल के बाद सारा को एक बेटा पैदा हुआ **(उत्पत्ति 21:1-7)** *जो आनन्द उन्होने महसूस किया उसे समझने की कोशिश करो। क्या परमेश्वर ने अपना वादा पूरा किया? लेवल 2 के बच्चों को इसहाक की नाम का अर्थ समझाओ।* • *परमेश्वर पर भरोसा कर सकते है क्योंकि वह अपने वादे हमेशा पूरा करता है। कितना अनोखा परमेश्वर है जिस पर हम भरोसा कर सकते है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **उत्पत्ति 18:14**
याद करने	• दिन के किस समय पाहुन आए? • उस समय अब्राहम कहाँ पर थे? • अब्राहम ने सारा से क्या करने को कहा? • खाने में और क्या था? • पाहुन जब सन्देश दे रहे थे तब सारा कहाँ थे? • सारा ने क्यो हसा? • कितने समय के बाद सारा को बेटा होगा? • बच्चे को किस नाम से पुकारा गया? • इसहाक के जन्म के वक्त अब्राहम कितने वर्ष के थे? • दो कारण सोचो जिस के कारण अब्राहम और सारा खुश थे। कहानी को एक नाटक के रूप में पेश करो।

A 6 कहानी 1

अब्राहम परमेश्वर की वचन सुनता हे - यह कहानी सब से ऊपर परमेश्वर को प्यार करने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • अब्राहम सबसे ज्यादा परमेश्वर को प्यार करता था? • हम अपने पूरे दिल से परमेश्वर को प्यार करना चाहिए? **मुख्य पद: उत्पत्ति 22:8; व्यवस्थाविवरण 6:5** **बाइबल पाठ: उत्पत्ति 22:1-9**
प्रस्तुत करने	• बच्चो से उन चीज़ों को बताने केलिए कहें जो उनके जीवन में महत्वपूर्ण है- आपके जीवन में सबसे महत्वपूर्ण क्या है? यह महत्वपूर्ण क्यों है? • उनसे पूछें की यह चीज़े त्यागने पर उन्हे कैसे महसूस होगा -क्या उन चीज़ों को आप त्यागना चाहोगे? अगर उन चीज़ों को उनके पास से लिए जाए तो उन्हे कैसे लगेंगे? बच्चों को समझाओ की आज की कहानी अब्राहम अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण चीज़ को त्यागने के बारे में है।
सिखाने	• परमेश्वर ने अब्राहम और सारा को दिए अपने वादे को निबाया और उन्हे एक बेटा दिया। उसका नाम इसहाक था। वे उससे बहुत प्यार करते थे। **(उत्पत्ति 21:1-3)** • एक दिन परमेश्वर ने अब्राहम से इसहाक को लेकर मोरिय्याह देश जाने केलिए कहा। इसहाक शायद कि शोरावस्था में था। परमेश्वर चाहता थआ कि अब्राहम अपने बेटे इसहाक को एक होमबलि में अर्पित करे। परमेश्वर अब्राहम का परीक्षण कर रहे थे। यह जानने केलिए कि क्या वह वास्तव में उन्हे प्यार करता था। भले ही अब्राहम को बडा दुख हुआ लेकिन उन्होने परमेश्वर पर भरोसा करके आदेश का पालन किया **(उत्पत्ति 22:1-2)** *अब्राहम अपने पूरे दिल से परमेश्वर को प्यार करता था। परमेश्वर ने उनसे बडी कठिन कार्य करने को कहा था लेकिन अब्राहम परमेश्वर का आदेश का पालन करने को बिलकुल तैयार था।* • सबेरे उठकर अब्राहम ने यात्रा केलिए तैयारी करने लगे। बलिदान केलिए उसने लकडी काटा, और साथ में दो नौकर और गधे को भी लिया। **(उत्पत्ति 22:3)** • तीन दिन के बाद वे उस पहाड पर पहूँचे जो परमेश्वर ने चुना था। अब्राहम ने नौकरों से गधे के साथ नीचे इन्तज़ार करने को कहा। फिर इसहाक ने लकडी उठाया और अब्राहम ने आग और छुरी लिया। **(उत्पत्ति 22:4-6)** • जब वे चढने लगे इसहाक ने अपने पिता से पूछा कि होमबलि केलिए भेड कहा है। अब्राहम ने उत्तर दिया कि उसका प्रबन्ध परमेश्वर कर लेगा। **(उत्पत्ति 22:7-8)** • *अब्राहम परमेश्वर को प्यार करता था इसलिए उसने उनके आज्ञा का पालन किया। परमेश्वर चाहते है कि हम भी पूरे दिल से उनको प्यार करे और उनके आज्ञा का पालन करे।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **उत्पत्ति 22:8; व्यवस्थाविवरण 6:5**
याद करने	• अब्राहम के पुत्र का नाम क्या था? • परमेश्वर ने अब्राहम से किस पहाड पर जाने को कहा? • कितने नौकरों को अब्राहम साथ लेकर गए? • किस जानवर को अब्राहम ने साथ लिया? • पहाड तक पहूँचने में कितना समय लगा? • अब्राहम के अनुसार भेड का प्रबन्ध कौन करने वाला था? • अब्राहम सबसे ज्यादा किसे प्यार करता था? • हम अपने पूरे दिल से किससे प्यार करना चाहिए?

A 6 कहानी 2

अब्राहम परमेश्वर का आज्ञापालन करता है - यह कहानी एक भेड इसहाक के जगह लेने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • परमेश्वर ने इसहाक के जगह एक भेड का प्रबन्ध किया। • यीशु ने जब क्रूस पर अपने प्राण दिया तो वह हमारी जगह ले रहा था। **मुख्य पदः** **गलतियों 2:20** **बाइबल पाठः** **उत्पत्ति 22:9-14**
प्रस्तुत करने	• बच्चों से ऐसे एक घटना के बारे में कल्पना करने को कहो जब उनके गलत काम केलिए उन्हे सजा मिलने वाले थे। - कैसा महसूस करोगे? • अब ऐसे एक मौके के बारे में सोचने को कहो जब उनका दण्ड किसी और ने अपने ऊपर ले लिया है - अब आप कैसे महसूस करेंगे? • बच्चों को समझाओ कि आज की कहानी इसहाक के जगह कोई और लेने के बारे में है।
सिखाने	बच्चों को अब तक की कहानी याद दिलावो। • आखिरखार अब्राहम और इसहाक पहाड के ऊपर पहूँचे और पत्थरों से एक वेदी बनाया। और इसहाक को उस पर लिटा दिया। **(उत्पत्ति 22:9,10)** • जब अब्राहम इसहाक को बलि देने ही वाले थे तब स्वर्गदूत ने स्वर्ग से पुकार कर अब्राहम को रुकने को कहा। अब्राहम ने अब दिखा दिया कि वह वास्तव में परमेश्वर को बहुत प्यार करता है। **(उत्पत्ति 22:11-12)** • अब्राहम ने आँखे उठाकर देखा, और सीगो से फसा एक भेड को देखा। उसने इसहाक के जगह भेड को रखा। **(उत्पत्ति 22:13)** • *अब्राहम और इसहाक को यह जानकर कैसे लगा होगा कि अब इसहाक के जगह भेड ने ले लिया?* • *जब यीशु क्रूस पर प्राण दिया तो वे हमारे जगह ले रहे थे। गलतियाँ हमने किया लेकिन दण्ड उन्होने अपने ऊपर लिया।* • *परमेश्वर हमे बहुत प्यार करते है और वे नही चाहते कि हमे हमारे पापों केलिए सज़ा मिले इसलिए उसने अपने आप को बलि दिया।* • *आप को क्या महसूस होता है जब आप सोचते है कि परमेश्वर हमे इतना प्यार किया कि अपने प्राण भी उन्होने दे दिया?* • *हम यीशु को कैसे दिखा सकते है कि हम उससे प्यार करते है?* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **गलतियाँ 2:20**
याद करने	• अब्राहम ने वेदी कहाँ बनया था? • किस चीज़ से इसे बनाए गए? • स्वर्ग से किसने पुकारा? • स्वर्गदूत ने अब्राहम से क्या कहा? • अब्राहम ने परमेश्वर को क्या दिखाया? • वेदी में इसहाक का जगह किसने लिया? • क्रूस पर हमारे जगह किसने लिया? • यीशु क्रूस पर अपने प्राण क्यो दिया?

A 6 कहानी 3

परमेश्वर मदद करता है - यह कहानी परमेश्वर एक मार्गदर्शक बनने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • दास ने परमेश्वर से मदद माँगा और परमेश्वर ने मदद किया। • अगर हम भी परमेश्वर से मदद मोंगे तो वे हमारा सहायता ज़रूर करेंगे। **मुख्य पद: उत्पत्ति 24:27 और मत्ति 7:7** **बाइबल पाठ: उत्पत्ति 24:1-28**
प्रस्तुत करने	• बच्चों से उन लोगों के बारे में साचने को कहे जो उनके मदद करते है- कौन मदद करता है? वे किस प्रकार आपकी सहायता करते है? जब वे आपकी सहायता करते है तो आपको कैसे महसूस होता है। • बच्चों को उन घटनाओं के बारे में कहने का अवसर दो जब वे किसी का मदद किया है। • बच्चों को समझाओं कि आज की कहानी परमेश्वर किसी के मदद करने के बारे में है।
सिखाने	• अब्राहम एक बुजुर्ग व्यक्ति था, लेकिन उसके मौत के पहले वह इसहाक को शदिशुदा देखना चाहता था। इसलिए उसने अपना मुख्य दास को अपने बेटे केलिए एक अच्छी पत्नी ढूँढने के निर्देश दिया। अब्राहम ने अपने दास से परमेश्वर पर भरोसा करने केलिए कहा जो उन्हे सही स्त्री तक पहूँचने पर उनका मार्गदर्शक होगा। **(उत्पत्ति 24:1-9)** *अब्राहम के आदेश सुनने पर दास को कैसे लग होगा।* • दास ने अब्राहम के दस ऊँट को लेकर अपनी यात्रा पर निकल पडा। कई दिनों सफर करने के बाद वे नाहोर शहर में एक कूँए के पास पहूँचा। वह शाम का वक्त था और स्त्रीयों पानी भरने निकल रही थी। **(उत्पत्ति 24,10,11)** • दास ने परमेश्वर से प्रार्थना किया और उसे यह सिद्ध करने को कहा कि अगर इनमें से कोई इसहाक का पत्नी बनेंगे। जब वह पीने के पानी पूँछेंगं तब जो भी स्त्री उन्हे और उनके ऊँटो को भी पानी पिलाने को तैयार होगी वह समझ जाऐंगे कि वह ही इसहाक केलिए परमेश्वर की पसन्द है। **(उत्पत्ति 24:12-14)** • जल्द ही उन्होने एक बहुत ही सुन्दर महिला उसके पास आते देखा। उसका नाम रिबका थी। जब उसने पीने को पानी माँगा तो वह उन्हे ही नही उन्के ऊँटों को भी पिलाया। *दास के मन में क्या चल रहा होगा? वे अब कैसा महसूस कर रहा होगा?* **(उत्पत्ति 24:15-21)** • अब्राहम के दिए उपहार को रिबका को देने के बाद, उन्होने पूछा यदि रात रुकने केलिए उनकी घर में जगह होंगे। जब उसने कहा कि उनके पास बहुत सारे कमरे है उसी वक्त दास ने सिर झुकाकर अपना प्रार्थना सुनने और सही स्त्री तक पहूँचाने केलिए परमेश्वर को धन्यवाद दिया। **(उत्पत्ति 24:22-27)** • *क्या आपको कभी कोई मुश्किल काम दिया गया है? उचित दृष्टान्तों से सुझाव दो।* • *दास ने किस से मदद माँगा?* • *हम किससे मदद माँग सकते है? जब हमारे जीवन में चुनाव करने या निर्णय लेना का वक्त आते है तो परमेश्वर चाहते है कि वे हमारे मदद करे और मार्गदर्शक बने।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **उत्पत्ति 24:27 और मत्ति 7:7**
याद करने	• इसहाक को पत्नी ढूँढने केलिए कौन गए थे? • नौकर ने कितने ऊँटो को अपने साथ लिया था? • दास कहाँ आकर रुका? • वह दिन का क्या वक्त था? • सही स्त्री तक पहूँचने केलिए दास ने किसका मदद माँगा था? • कुएँ के पास जो स्त्री मिला उसका नाम क्या था? • दास के मदद केलिए उस स्त्री ने क्या किया? • जब दास समझ गया की परमेश्वर ने उसका मदद किया है तब उसने क्या किया?

A 6 कहानी 4

परमेश्वर के पसन्द - यह कहानी इसहाक और रिबका के शादी के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • रिबका और इसहाक ने परमेश्वर की योजना का पालन किया और वे बहुत खुश थे। • अगर हम परमेश्वर पर भरोसा करके उनके रास्ते पर चलेंगे तो हम हमेशा खुश रहेंगे। **मुख्य पदः** **भजन संहिता 144:15** **बाइबल पाठः** **उत्पत्ति 24:28-67**
प्रस्तुत करने	• बच्चों से पूछो कि क्या वे किसी शादी पर गए है - वह किसकी शादी थी? वे क्या पहने थे? शादी में क्या हुआ? क्या दुल्ह और दुल्हन खुश थे? • बच्चों से कहो कि आज की कहानी बाइबल के दिनों का एक शादी के बारे में है। शायद इस शादी और आज के ज़माने कि शादियों में बडा अन्तर है।
सिखाने	• बच्चों को अब तक कि कहानी याद दिलावो। • रिबका दोडकर अपने घर गई और अपने परिवार से सारी बाते बताई। उसके भाई लाबान कुँए के और दौडा और उस दास को घर में आमन्त्रित किया। लेकिन भोजन के पहले ही उसने रिबका के परिवार को उनका आगमन का कारण बताया। **(उत्पत्ति 24:28-49)** • रिबका के परिवार ने माना कि परमेश्वर ने ही अब्राहम के दास को रिबका के पास लाया था। बिना किसी देरी के उन्होने रिबका को उस दास के साथ भेजा ताकि वह इसहाक की पत्नी बन सके। अपने प्रार्थना के उत्तर देने केलिए दास ने परमेश्वर को धन्यवाद किया। फिर उसने रिबका और उसके परिवार को कई उपहार दिए **(उत्पत्ति 24:50-53)** • सुबह होने पर उन्होने रिबका से पूछा यदि वे उस दास के साथ जाकर इसहाक से शादी करने को तैयार है। रिबका ने मान लिया। **(उत्पत्ति 24:54-61)** *रिबका कैसे महसूस कर रही होंगी? शायद थोडी बेचैन क्योकि वे इससे पहले इसहाक और उनके परिवार से कभी नही मिली थी। उसी समय वे उत्साहित भी थी क्योंकि उसको पता था कि यह निश्चित रूप में परमेश्वर का योजना था।* • वहाँ अब्राहम के घर में इसहाक प्रतीक्षा करके सोच रहा था कि क्या हो रहा है। एक दिन शाम को जब वे टहलने निकले उन्होने ऊँटो को आते हुए देखा। जल्द ही उसने रिबका को अपने नए घर में स्वागत किया और उसे अपनी माँ की तम्बु में लेकर गया। इसहाक रिबका को बहुत प्यार करता था और उसे अपनी पत्नी बनाया। **(उत्पत्ति 24:61-67)** • *अपने नए पत्नी को देखने पर इसहाक क्या महसूस किया होगा? (शायद वह भी थोडा बेचैन और उत्तेजित हुए होगे। क्योंकि वह भी रिबका का पहले मिला नही था लेकिन भरोसा था कि यह परमेश्वर का योजना है।* • *इसहाक और रिबका दोनो बहुत खुश थे क्योंकि उन्होने परमेश्वर पर भरोसा करके उनके रास्ते पर चले थे। परमेश्वर चाहता है कि हम भी ऐसे करे। अगर हम भरोसा करके परमेश्वर के योजना के अनुसार चलते है तो हम खुश और सन्तुष्ट रहेंगे।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **भजन संहिता 144:15** यह पद दर्शाता है कि जब परमेश्वर अपनी योजना हमारी जीवन में पूरा कर रहा है तो हमे कितने खूशी मिलेंगे।
याद करने	• रिबका के भाई का नाम क्या था? • भोजन से पहले उस दास ने क्या किया? • रिबका को इसहाक के पत्नी होने केलिए रिबका के परिवार राजी क्यों थे? • दास को रिबका के पास लाने में परिवार वाले ने किसका नाम लिया? • दास के साथ रिबका कब गई? • जब रिबका और दास घर पहूँचे तो मैदान में कौन टहल रहा था? • कौन हमे सबसे ज्यादा खुश कर सकता है?

पाठ को अंकन करने शिक्षको केलिए मार्गदर्शन

लेवल 1 पाठः

- हर हफ्ते एक/दो पन्ने को मुख्य रूप से रंग भरने या सवालों के जवाब देने।
- हर हफ्ते 10 अंक निर्धारित किए है और एक महीने में अधिकतम 40 अंक।
- लेवल 1 के बच्चों को अक्सर पढने में तकलिफ हो सकता है इसलिए हम चाहते है कि माता-पिता/ रक्षक/शिक्षक उनके सहायता करे।
- हम हर सवाल केलिए 2 अन्क निर्धारित किए है और शेष अन्क रंग भरने केलिए ऐक अध्याय केलिए 10 अन्क।

लेवल 2 पाठः

- हर हफ्ते 4 पन्ने।
- कहानी पाठ में ही निहित है। बच्चों को पहेली सुलझाने, रंग भरने, मुख्य पद को पूरा करना है।
- 20 अन्क हर हफ्ते केलिए निर्धारित है और एक महीने केलिए अधिकतम 80 अन्क।

बाइबल टाइम के मार्किन्ग

निर्देशः

शिक्षक पहलेः

- पाठ को जाँच कर चिन्हित करे।
- निर्देश अनुसार आवश्यक अन्क है।
- गलत जवाब के पास चिन्हित करे और सही जवाब भी लिखे।
- आन्शिक रूप से सही उत्तर केलिए एक अन्क दे।
- एक महीने के कुल अन्क के दिए हुए जगह में लिखो।

bible educational services

P.O Box - 9, MOOKANNUR P.O., 683577, Ernakulam, KERALA
E-mail : besindia1@gmail.com, www.besweb.com